■ मार्गशीर्ष शुक्ल - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 130 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 04-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रदूषण की वजह से दिल्ली आना नहीं चाहता : केंद्रीय मंत्री गडकरी
6 निरंतर मजबूत हो रही है भारतीय नौसेना
7 अच्छी तरह से बनाई फिल्म हमेशा सफल होती है : यामी गौतम

फर्स्ट टेक

ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

आगरा (उप्र)/भाषा। आगरा में उत्तर प्रदेश (यूपी) पर्यटन के क्षेत्रीय कार्यालय को मंगलवार को एक ई-मेल भेजकर ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी-ताज सुरक्षा) सैयद अरीब अहमद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल यूपी पर्यटन को मिला है। ई-मेल के हिसाब से हमें कुछ नहीं मिला है। बम निरोधक दस्ता, खोजी कुत्ते और अन्य टीम सुरक्षा जांच के लिए ताजमहल पहुंच गई हैं।

नए आपराधिक कानूनों से दोषसिद्धि की दर बढ़ेगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नये आपराधिक कानूनों के लागू होने से दोषसिद्धि की दर बढ़ेगी, जिससे अपराध में कमी आएगी। शाह ने कहा कि नये आपराधिक कानूनों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उनकी आत्मा भारतीय है और उनका उद्देश्य न्याय प्रदान करना है।

शाह एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन नये आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया।

नये कानून -- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम -- 1 जुलाई को लागू हुए, जिन्होंने क्रमशः ब्रिटिशकालीन भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है। चंडीगढ़, तीनों कानूनों का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करने वाला देश का पहला प्रशासनिक इकाई बन गया है।

शाह ने कहा कि नये कानूनों के लागू होने के बाद कम समय में न्याय सुनिश्चित होगा, दोषसिद्धि की दर अधिक होगी और इसके कारण अपराध दर में कमी आएगी। शाह ने कहा कि नये कानूनों के लागू होने के 4 माह के अंदर अब तक लगभग 11 लाख से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज हुई हैं और इनमें से 9500 मामलों में फैसला भी आ गया है। उन्होंने कहा कि इनकी दोषसिद्धि की दर 85 प्रतिशत से ज्यादा है, जो दोषसिद्धि की वर्तमान दर 58 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा कि यही बताता है कि नये कानूनों पर पूरी तरह अमल होने के बाद कम समय में न्याय मिलेगा, दोषसिद्धि दर ज्यादा होगी जिससे अपराध प्रतिशत में भी गिरावट आएगी।

राहत-सामग्री वितरण के दौरान तमिलनाडु के वन मंत्री पर कीचड़ फेंका गया

विल्लुपुरम (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के वन मंत्री के.पोनमुडी मंगलवार को जब विल्लुपुरम जिले के एक गांव में बाढ़ प्रभावितों को राहत-सामग्री वितरित करने गए तो उनपर और उनके दल पर अज्ञात लोगों ने कीचड़ फेंक दिया। राज्य के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पी.के शेखर बाबू ने एक राजनीतिक पार्टी की सदस्य और उनके रिश्तेदार पर पोनमुडी पर कीचड़ फेंकने का आरोप लगाया ताकि उन्हें बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत-सामग्री वितरित करने से रोका जा सके। इरुवेलपट्टू गांव के दौरे के दौरान पोनमुडी को कई ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने दावा किया कि दो दिन बाद तक भी अधिकारियो ने यहां प्रभावित गांवों का दौरा नहीं किया।

किसान संकट में हैं, आत्ममंथन की जरूरत

मुंबई/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) जैसे प्रमुख संस्थानों की मौजूदगी के बावजूद किसान संकट में हैं। धनखड़ ने कहा कि किसान संकट में हैं और आंदोलन कर रहे हैं तथा यह स्थिति देश के समग्र कल्याण के लिए अच्छी नहीं है।

धनखड़ ने कहा, ''आत्मावलोकन की आवश्यकता है, क्योंकि किसान संकट में हैं। यदि ऐसे संस्थान (जैसे आईसीएआर और उसके सहयोगी) सक्रिय होते और योगदान दे रहे होते, तो यह स्थिति नहीं होती...ऐसे संस्थान देश के हर कोने में स्थित हैं, लेकिन किसानों की दशा अभी भी वही है।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदला या बदलाव

नोट बदल गए वोट बदल गए,
बदल रहा परिवेश भी।
शासक बदले शासन बदला,
बदले सब संदेश भी।
सड़कों के भी नाम बदल गए,
बदले नीति निवेश भी।
पर बदलेगा जब जन मन तब,
बदलेगा यह देश भी।।

सिद्दरामय्या की पत्नी से जुड़े भूखंड मामले में अनियमितता के सबूत मिले : ईडी

नई दिल्ली/बेंगलूरु/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मैसुरु शहर विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी बीएम पार्वती को 14 भूखंडों आवंटित करने के मामले में कई अनियमितताओं के सबूत मिले हैं। केंद्रीय एजेंसी ने यह जानकारी दी।

संघीय एजेंसी ने हाल में कर्नाटक लोकायुक्त विभाग को भेजे गए एक पत्र में यह भी दावा किया कि उसकी जांच में यह भी पता चला है कि एमयूडीए ने बेनामी और अन्य ऐसे लेनदेन में कुल 1,095 भूखंडों को अवैध रूप से आवंटित किया है।

राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले में प्रवर्तन निदेशालय की धन शोधन जांच के दौरान पार्वती को भूमि आवंटन में वैधानिक दिशा-निर्देशों के उल्लंघन व साक्ष्यों से छेड़छाड़, कार्यालय प्रक्रियाओं का उल्लंघन, अनुचित पक्षपात और प्रभाव का उपयोग और हस्ताक्षरों में जालसाजी के सबूत मिले हैं।

दक्षिण कोरिया में लगा 'आपात मार्शल लॉ'

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने मंगलवार को देश में 'आपात मार्शल लॉ' लगाने की घोषणा की तथा विपक्ष पर संसद पर हावी होने, उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और देश विरोधी गतिविधियों के साथ सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया।

इसके कुछ घंटों बाद, संसद ने घोषणा को ''निष्प्रभावी'' करने के लिए मतदान किया, जिसमें नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन शिक ने घोषणा की कि सांसद ''लोगों के साथ मिलकर लोकतंत्र की रक्षा करेंगे।'' वू ने पुलिस और सैन्य कर्मियों को संसद परिसर से हटने के लिए कहा।

दक्षिण कोरिया की 'योनहाप' समाचार एजेंसी के अनुसार, यून के ऐलान के बाद, दक्षिण कोरिया की सेना ने घोषणा की कि संसद और अन्य राजनीतिक सभाएं, जो ''समाज में भ्रम'' पैदा कर सकती हैं, निलंबित कर दी जाएंगी।

यून ने टेलीविजन पर अपने संबोधन के दौरान यह घोषणा की, और ''उत्तर कोरिया समर्थक ताकतों को खत्म करने और संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करने'' का संकल्प जताया।

भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं वर्षगांठ पर पीड़ितों ने निकाली विरोध रैली, की न्याय की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों ने मंगलवार को दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदाओं में से इस एक की 40 वीं बरसी पर विरोध रैली निकाली और प्रभावितों के साथ हुए अन्याय को समाप्त करने की मांग की। अब बंद हो चुके यूनियन कार्बाइड कारखाने के संबंध में ''कॉर्पोरेट अपराध'' का पुतला लेकर प्रदर्शनकारियों ने पीड़ितों को न्याय और सम्मानजनक जीवन से वंचित करने में निरंतर संलिप्तता के लिए विभिन्न क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेताओं और राहत संगठनों की निंदा की।

बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने तख्तियां लेकर ''भोपाल का इंसाफ करो'' का नारा लगाते हुए परित्यक्त फैक्ट्री स्थल की ओर मार्च किया। वर्ष 1984 में दो और तीन दिसंबर की दरम्यानी रात यूनियन कार्बाइड के कीटनाशक संयंत्र से अत्यधिक जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) लीक हुई, जिससे 5,479 लोगों की मौत हो गई और पांच लाख से अधिक लोग अपंग हो गए। भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने भारत में यूनियन कार्बाइड और डॉव केमिकल को लगातार मुकदमे से बचाया है।

अमृतसर : पाकिस्तान से तस्करी के जरिये लाई गई हेरोइन बरामद, तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेने के बाद उनके कब्जे से चार किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

हेरोइन की यह खेप कथित तौर पर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए तस्करी कर लाई गई थी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चार किलोग्राम हेरोइन के अलावा नौ एमएम की एक पिस्तौल भी बरामद की। हेरोइन की यह खेप कथित तौर पर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए तस्करी कर लाई गई थी।'' पुलिस महानिदेशक यादव के अनुसार आरोपियों के खिलाफ घरिंडा पुलिस थाने में स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम-1985 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान करने तथा तस्करी नेटवर्क के मूल का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच जारी है।

बैंककारी विधियां संशोधन विधेयक बैंकिंग को मजबूत व निवेशकों के हितों को सुरक्षित करने वाला : वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक 2024 के माध्यम से किए गए संशोधन बैंकिंग क्षेत्र में संचालन प्रणाली को मजबूत बनाने के साथ ही ग्राहकों और निवेशकों के हितों को सुरक्षित करने वाले होंगे।

सीतारमण ने लोकसभा में इस विधेयक को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934; बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949; भारतीय स्टेट बैंक, 1955 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण), 1980 में कुल 19 संशोधन प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि उक्त विधेयक किसी बैंक खाताधारक को उसके खाते में चार 'नॉमिनी' को मनोनीत करने की अनुमति प्रदान करेगा।

विधेयक में वैधानिक लेखा परीक्षकों को भुगतान किया जाने वाला पारिश्रमिक तय करने में बैंकों को अधिक स्वतंत्रता देने का प्रावधान भी है।

इस विधेयक की घोषणा वित्त मंत्री ने अपने 2023-24 के बजट भाषण में की थी। उन्होंने कहा, ''प्रस्तावित संशोधन बैंकिंग क्षेत्र में संचालन प्रणाली को मजबूत करेंगे तथा नामांकन और निवेशकों के हितों के संरक्षण के संदर्भ में ग्राहकों की सुविधा को बढ़ाएंगे।''

प्रस्तावित विधेयक में शासन मानकों में सुधार, बैंकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को दी जाने वाली रिपोर्टिंग में एकरूपता, जमाकर्ताओं और निवेशकों के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करना, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लेखापरीक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नामांकन के संबंध में ग्राहकों को सुविधा प्रदान करना और सहकारी बैंकों में निदेशकों के कार्यकाल में वृद्धि शामिल है। बैंकिंग क्षेत्र में काम करने वाली सहकारी समितियों के संबंध में, सीतारमण ने कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम में संशोधन केवल सहकारी बैंकों या सहकारी समितियों के उस हिस्से पर लागू होगा जो बैंकों के रूप में काम कर रहे हैं।

विधेयक में सहकारी बैंकों में निदेशकों (अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक को छोड़कर) के कार्यकाल को 8 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष करने का प्रस्ताव है, ताकि इसे संविधान (97वां संशोधन) अधिनियम, 2011 के अनुरूप बनाया जा सके।

विधेयक पारित होने के बाद केंद्रीय सहकारी बैंक के निदेशक को राज्य सहकारी बैंक के बोर्ड में सेवा करने की अनुमति प्रदान करेगा।

ऋण योजना बनाते समय जमीनी आंकड़ों पर आधारित नजरिया अपनाएं बैंक : आरबीआई डिप्टी गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा है कि बैंकों को जिलों में विभिन्न खंडों के लिए वित्त जरूरतें पूरी करने के लिए ऋण योजना तैयार करने के दौरान जमीनी आंकड़ों पर आधारित नजरिया अपनाना चाहिए। आरबीआई की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, पिछले सप्ताह महाराष्ट्र के अग्रणी बैंक जिला प्रबंधकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्वामीनाथन ने कहा कि डिजाइन और विकास का पहलू ऋण योजनाओं से शुरू होता है।

अग्रणी बैंक योजना (एलबीएस) की अवधारणा 1969 में वित्तीय संस्थानों और

अग्रणी बैंक जिला प्रबंधकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्वामीनाथन ने कहा कि डिजाइन और विकास का पहलू शुरू होता है ऋण योजनाओं से

सरकार के प्रयासों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए लाई गई थी। इस योजना के तहत एक जिले का दायित्व एक बैंक को सौंपा जाता है। इस योजना का उद्देश्य 'सेवा क्षेत्र' के नजरिये से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त बैंकिंग और ऋण प्रदान करना है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने कहा, ऋण योजना के तहत स्थानीय केंद्रों की जरूरतों को बताने के लिए जमीनी आंकड़ों पर आधारित नजरिया अपनाया जाना चाहिए और फिर उन जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त योजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य को आकांक्षापूर्ण होने के साथ जमीन पर उतारने और स्थानीय ऋण जरूरतों को प्रतिबिंबित करने के लिए पर्याप्त यथार्थवादी होना चाहिए। स्वामीनाथन ने कहा कि डेटा और विश्लेषणात्मक मॉडल की बहुतायत के इस दौर में ऋण योजना के डिजाइन के लिए डेटा-आधारित अनुभवजन्य दृष्टिकोण आवश्यक है। ऐसी तकनीकों से हस्तक्षेप के लिए लक्षित रणनीतियों के विकास में आसानी रहती है।

स्वामीनाथन ने क्षेत्र सर्वेक्षण को डेटा संग्रह का प्राथमिक चरण बताते हुए कहा कि यह उन क्षेत्रों की पहचान करने में भी सक्षम बनाता है जिन्हें ऋण प्रवाह की अधिक जरूरत है और जिनके पास ऋण सेवा की बेहतर क्षमता है। उन्होंने कहा कि लगभग आधे स्वयं-सहायता समूह अभी भी वित्तीय संस्थानों के ऋण से नहीं जुड़े हैं और छोटे एवं सीमांत किसानों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी बैंक वित्त पोषण तक पहुंच से वंचित है। इसके अलावा महिलाओं की अगुवाई वाले एमएसएमई भी कर्ज सुविधाओं से वंचित हैं।

करमन ड्रोन्स ने यूएवी के विकास के लिए टीसीएल के साथ साझेदारी की

मुंबई/भाषा। ड्रोन प्रौद्योगिकी कंपनी करमन ड्रोन्स ने मानव-रहित हवाई वाहनों के विकास एवं विनिर्माण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) के साथ पांच साल की रणनीतिक साझेदारी की है। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इस साझेदारी का मकसद भारतीय सैन्य बलों, अर्द्धसैनिक इकाइयों, पुलिस संगठनों, केंद्रीय तथा राज्य सरकार के संगठनों के साथ असैन्य क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए मानव-रहित हवाई प्रणाली (यूएएस) और मानव-रहित हवाई वाहन (यूएवी) समाधानों को तैयार और विकसित करने के लिए दोनों संस्थाओं की विशेषज्ञता का इस्तेमाल करना है। करमन ड्रोन्स के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रवण शेट्टी ने कहा, ''हमने टीसीएल के साथ साझेदारी की है... यह सहयोग हमें भारतीय रक्षा बलों और अन्य हितधारकों के लिए उन्नत समाधान विकसित करने में सक्षम बनाएगा।'' टीसीएल ने कहा कि करमन ड्रोन्स के साथ टीसीएल की साझेदारी 'मेक इन इंडिया' नीति के तहत भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू ने राज्यसभा में पेश किया वायुयान विधेयक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में मंगलवार को 'भारतीय वायुयान विधेयक, 2024' पेश किया गया, जो कानून बनने पर 90 साल पुराने विमान अधिनियम की जगह लेगा तथा विमानन क्षेत्र के प्रमुख निकायों को ज्यादा शक्ति प्रदान करेगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने उच्च सदन में यह विधेयक प्रस्तुत किया। लोकसभा ने इसी साल अगस्त महीने में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पारित किया था।

नायडू ने विधेयक को पेश करते हुए कहा कि पहले के अधिनियम में कुछ भ्रम थे उनको दूर करने के लिए यह विधेयक लाया गया है। नायडू ने सदन में विधेयक प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत पिछले 10 वर्षों में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि देश में हवाई अड्डों की संख्या वर्ष 2014 में 74 थी जो अब बढ़कर 157 हो गई है, जो दोगुने से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश में इस अवधि के दौरान हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार विमानों और यात्रियों की संख्या में भी तकरीबन दोगुने की वृद्धि हुई है। यह विधेयक केंद्र सरकार को किसी भी विमान या विमान की श्रेणी के डिजाइन, निर्माण, रख-रखाव, कब्जे, उपयोग, संचालन, बिक्री, निर्यात या आयात को विनियमित करने और सुरक्षित करने के लिए नियम बनाने का अधिकार देता है। इस विधेयक का उद्देश्य किसी भी हवाई दुर्घटना या घटना की जांच के लिए सरकार को नियम बनाने का अधिकार देना है।

देश की बैंकिंग प्रणाली भेदभाव वाली : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने देश की बैंकिंग व्यवस्था को भेदभावपूर्ण और वंचितों के लिए अलाभकारी बताते हुए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर देश की आर्थिक स्थिति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

लोकसभा में बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सदस्य गौरव गोगोई ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली देश की आर्थिक स्थिति से जुड़ी है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''आर्थिक स्थिति का जो ढांचा वर्तमान सरकार ने तोड़ दिया है, उसकी शुरुआत आठ नवंबर 2016 को नोटबंदी लागू करने के साथ हुई थी।'' गोगोई ने पूछा कि सरकार बताए कि उसने नोटबंदी लागू करने के बाद इन आठ साल में क्या हासिल किया? उन्होंने दावा किया कि सरकार ने नोटबंदी के बाद अर्थव्यवस्था को डिजिटल करने का दावा किया था, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि 2023 में लोगों के हाथ में 2015-16 के मुकाबले अधिक नकदी थी।

गोगोई ने कहा कि इसका अर्थ है कि लोग आज भी नकदी पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की बैंकिंग व्यवस्था भेदभावपूर्ण है जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लोगों और गरीबों को लाभ नहीं मिल रहा। गोगोई ने कहा कि सभी बैंकों को बताना चाहिए कि उनके बड़े निवेश कहां-कहां किए गए हैं। उन्होंने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को अधिक शक्तियां दिए जाने की जरूरत भी बताई।

'गृहमंत्री यदि दिल्ली की कानून व्यवस्था नहीं संभाल सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने भाजपा व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और कहा कि यदि वह (शाह) राष्ट्रीय राजधानी में 'अराजक' कानून-व्यवस्था की स्थिति को नहीं संभाल सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि हर तरफ अराजकता का माहौल है और बढ़ते अपराधों के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं।

पीतमपुरा झुग्गी बस्ती में घर के बाहर चाकू घोंपकर मार दिये गये युवक के परिजनों से मुलाकात के बाद केजरीवाल ने ये आरोप लगाये। केजरीवाल ने कहा, '' इस इलाके में दो युवकों पर सात से आठ स्थानीय लड़कों ने हमला

किया। मनीष को कई बार चाकू घोंपा गया और मुझे बताया गया कि उसकी मौत इसलिए हुई क्योंकि उसे समय पर अस्पताल नहीं ले जाया जा सका। दूसरे पीड़ित हिमांशु को बचा लिया गया। पुलिस ने गवाह के तौर पर उसका बयान दर्ज नहीं किया है।'' दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, '' यदि अमित शाह दिल्ली में कानून व्यवस्था संभालने में असमर्थ हैं और उन्हें बस देशभर की राजनीतिक यात्राएं करने से ही मतलब है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।''

फडणवीस को लेकर शिंदे के 'नखरे' के पीछे 'दिल्ली में बैठी महाशक्ति' : राउत ने भाजपा नेतृत्व पर निशाना साधा

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने स्पष्ट रूप से भाजपा नेतृत्व की ओर इशारा करते हुए मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ''दिल्ली में बैठी महाशक्ति'' के समर्थन से भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को लेकर ''नखरे'' और नाराजगी दिखा रहे हैं। राउत ने महाराष्ट्र में सरकार गठन में हो रही देरी को अराजकतापूर्ण बताया। विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए 10 दिन से अधिक हो गए हैं, लेकिन किसी भी पार्टी या गठबंधन ने न तो सरकार बनाने का दावा पेश किया है और न ही विधायकों की सूची दी है। राउत ने कहा कि राज्यपाल ने अभी तक किसी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया है, लेकिन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने शपथ ग्रहण की तारीख घोषित कर दी है, जो आजाद मैदान में होगी। राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''मुझे लगता है कि एकनाथ शिंदे के नखरे और देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ नाराजगी के पीछे दिल्ली में बैठी कोई 'महाशक्ति' है। महाशक्ति के समर्थन के बिना एकनाथ शिंदे ऐसा कुछ करने की हिम्मत नहीं कर सकते।

ट्रेडमार्क विवाद के समाधान के लिए इंडिगो के साथ चर्चा जारी: महिंद्रा

Mahindra

नई दिल्ली/भाषा। वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मंगलवार को कहा कि वह अपने नए इलेक्ट्रिक मॉडल के नाम में '6ई' के इस्तेमाल से उत्पन्न ट्रेडमार्क विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए इंडिगो एयरलाइन के साथ चर्चा कर रही है। महिंद्रा ने हाल ही में दो इलेक्ट्रिक वाहन- बीई 6ई और एक्सईवी 9ई को पेश किया है। लेकिन इंडिगो एयरलाइन का संचालन करने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन का कहना है कि यह एयरलाइन के डिजाइनर कोड 6ई का उल्लंघन करता है। हालांकि महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि उसका ट्रेडमार्क 'बीई 6ई' इंडिगो के '6ई' से अलग है जिससे ग्राहकों के मन में किसी भी तरह के भ्रम की स्थिति नहीं रहती है। घरेलू वाहन कंपनी ने एक बयान में कहा, हमने सद्भावना के उल्लंघन से जुड़ी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड की चिंताओं को ध्यान में रखा है और हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं था। हम सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए उनके साथ चर्चा कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरग्लोब एविएशन ने '6ई' के इस्तेमाल को लेकर वाहन कंपनी पर ट्रेडमार्क उल्लंघन का मुकदमा दायर किया है। उसने महिंद्रा के ट्रेडमार्क को चुनौती देते हुए अदालत के बौद्धिक संपदा प्रभाग से राहत की मांग की है।

अदाणी समूह की 7 कंपनियों के शेयर बढ़त में, अदाणी पोर्ट्स का शेयर छह प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की सात कंपनियों के शेयर मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए। इनमें अदाणी पोर्ट्स के शेयर में छह प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह सेंसेक्स और निफ्टी में शामिल कंपनियों में सबसे अधिक लाभ में रही। बीएसई में अदाणी पोर्ट्स का शेयर 6.02 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स 5.15 प्रतिशत, एसीसी 2.56 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज 2.33 प्रतिशत, सांघी इंडस्ट्रीज 2.09 प्रतिशत, अदाणी विल्मर 1.19 प्रतिशत और एनडीटीवी का शेयर 0.45 प्रतिशत चढ़ा। हालांकि, अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर में 1.17 प्रतिशत, अदाणी पावर में 0.87 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 0.83 प्रतिशत और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में 0.60 प्रतिशत की गिरावट आई।

भारत 'नाविक' के साथ रणनीतिक नेवीगेशन में लगभग आत्मनिर्भर हो गया है : इन-स्पेस अध्यक्ष गोयनका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/नई दिल्ली/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के अध्यक्ष पवन गोयनका ने मंगलवार को कहा कि भारत रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक डेटा के मामले में लगभग आत्मनिर्भर है, जिसका श्रेय जीपीएस के समान देश की उपग्रह नेविगेशन प्रणाली (नेवीगेशन विद इंडियन कॉन्सिलेशन) 'नाविक' को जाता है।

नागरिक उपयोगों के लिए भी, गोयनका ने विदेशी प्रणालियों पर निर्भरता से बचने के महत्व पर बल दिया, जो भारत को असुरक्षित बना सकती हैं। हैदराबाद में जियोस्मार्ट इंडिया 2024 सम्मेलन के दौरान एक पैनल चर्चा में उन्होंने कहा, '' 'नाविक' के साथ हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी रणनीतिक जरूरतों के लिए (चाहे वह रक्षा,नागरिक उपयोग या उद्योग से जुड़ा हो) हम दूसरों पर निर्भर न हों। यदि कोई आपूर्ति में कटौती करता है, तो हमारे पास ऐसी क्षमता होनी चाहिए, ताकि हम अपनी प्रणाली का उपयोग शुरू कर सकें।'' उन्होंने कहा कि नाविक के अलावा जीपीएस जैसी अन्य नेविगेशन प्रणालियां भी मौजूद हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को 'नाविक' का उपयोग करके स्वतंत्र रूप से अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। 'नाविक' (नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन) इसरो द्वारा विकसित भारत का अपना उपग्रह नेविगेशन सिस्टम है। यह जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) की तरह सटीक स्थान और समय की जानकारी प्रदान करने में मदद करता है। इसे भारत और इसके आसपास के 1,500 किलोमीटर तक के क्षेत्र को कवर करने के लिए तैयार किया गया है। संचार उपग्रहों के बारे में गोयनका ने कहा कि भारत के पास खुद के उपग्रहों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन देश अब भी आंशिक रूप से विदेशी उपग्रहों पर निर्भर है। उन्होंने कहा, ''आज, हमारे पास एनएसआईएल (इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड) की बदौलत विदेशी उपग्रहों की तुलना में थोड़ा अधिक भारतीय संचार उपग्रह हो सकते हैं। लेकिन हमें भारतीय उपग्रहों की निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता है।'' भू-स्थानिक डेटा संवर्धन और विकास समिति (जीडीपीडीसी) के अध्यक्ष श्रीकांत शास्त्री ने कहा कि भारत को कुछ क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि जीडीपीडीसी ने नागरिक उड्डयन और मानचित्रण सहित छह प्रमुख क्षेत्रों को रणनीतिक और महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में पहचाना है। शास्त्री ने कहा कि जीडीपीडीसी द्वारा स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों के अगले साल इन प्राथमिकताओं पर काम शुरू करने की उम्मीद है।

फोन टैपिंग की शिकायत पर केसीआर के भतीजे हरीश राव के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में एक रियल एस्टेट कारोबारी द्वारा उनका फोन टैप किए जाने का आरोप लगाए जाने के बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता एवं सिद्दीपेट के विधायक टी. हरीश राव और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हरीश बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के भतीजे हैं। शिकायतकर्ता जी. चक्रधर गौड़ ने हरीश राव पर उनकी और उनके सहयोगियों तथा परिवार के सदस्यों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए राज्य के खुफिया तंत्र का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। गौड़ ने सिद्दीपेट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गए थे।

इस बीच, हरीश राव ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह उनके खिलाफ कई झूठे मामले दर्ज कर रहे हैं क्योंकि वह उनकी (रेवंत रेड्डी की) पोल खोल रहे हैं। आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए राव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं आपके (रेवंत रेड्डी) अन्यायपूर्ण कृत्यों पर सवाल उठाता रहा हूं और लोगों के साथ खड़ा रहा हूं। लेकिन आप इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए मेरे खिलाफ कई 'अवैध' मामले दर्ज करवा रहे हैं। चूंकि मैंने आपके दोहरे मानदंडों को उजागर किया तथा सार्वजनिक रूप से आपसे सवाल पूछे, इसलिए आपने पंजागुट्टा थाने में मेरे खिलाफ एक और झूठा मामला दर्ज करवा दिया। चाहे आप एक लाख झूठे मामले दर्ज कर लें, मैं लोगों की ओर से सवाल करना बंद नहीं करूंगा।''

कर्नाटक के कई हिस्सों में बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु, तीन दिसंबर (भाषा) कर्नाटक के विशेषकर तटीय, मालनाड और दक्षिण आंतरिक क्षेत्रों समेत विभिन्न स्थानों पर 'चक्रवात फेंगल' के प्रभाव के कारण मंगलवार को बारिश जारी रही। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दक्षिण कन्नड़, कोडागु, चामराजनगर, उडुपी, मैसूरु और चिक्काबल्लापुर जिलों में संबंधित उपायुक्त (डीसी) द्वारा स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया।

बेंगलूरु और अन्य जिलों में हुई बारिश के कारण तटीय मलनाड (पश्चिमी घाट) और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों में स्थित शहरों के कई हिस्से जलमग्न हो गए तथा यातायात बाधित हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक बयान में कहा कि तटीय कर्नाटक और उससे सटे पूर्व-मध्य अरब सागर पर मंगलवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे तक निम्न दबाव का क्षेत्र बना रहा। इससे संबंधित चक्रवाती परिसंचरण मध्य-क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है और अगले दो दिनों में इसके पूर्व-मध्य अरब सागर के ऊपर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की उम्मीद है।

आईएमडी ने बेंगलूरु और उसके आस-पास के इलाकों के लिए अगले 24 घंटों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना जताई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 डिग्री सेल्सियस तथा 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

आईएमडी ने दक्षिण कन्नड़, उडुप्पी और चिक्कमगलूरु जिलों के कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी दी है।

उत्तर कन्नड़ के अधिकांश स्थानों पर और गदग, हावेरी, रायचूर, यादगिर, धारवाड़, कोडागु, हसन, शिवमोग्गा, मैसूरु, मांड्या, चित्रदुर्ग और बल्लारी जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कर्नाटक तट पर 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और इसके 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचने के आसार के बीच आईएमडी ने मछुआरों को इस दौरान समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

आईएमडी के अनुसार, चार दिसंबर को दक्षिण कन्नड़, उडुप्पी और उत्तर कन्नड़ जिलों में कई स्थानों पर तथा बीदर के कुछ हिस्सों के साथ ही कलबुर्गी, यादगिर, कोडागु, शिवमोग्गा, चिक्कमगलुरु, तुमकुर, चिक्कबल्लापुर, कोलार और चित्रदुर्ग जिले के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। उसने बताया कि आठ दिसंबर तक इन स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार है।

इंजीनियरिंग की सीट पर दाखिले से जुड़े घोटाले में बेंगलूरु पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने इंजीनियरिंग सीट पर दाखिले से जुड़े घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) के एक कर्मचारी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह मामला 13 नवंबर को तब प्रकाश में आया जब केईए अधिकारियों ने मल्लेश्वरम पुलिस थाने में शिकायत दी। इसमें 2024-2025 के स्नातक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में संदिग्ध तौर पर सीट 'ब्लॉक' किये जाने की जानकारी दी गई थी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार जांच के दौरान तीन निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रबंधन से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाए गए। उन्होंने कहा, हमने केईए के एक कर्मचारी समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में बिचौलिए और कुछ इंजीनियरिंग कॉलेजों के कर्मचारी शामिल हैं।

गिरफ्तारियां हाल के दिनों में की गई जिनमें से तीन संदिग्धों को सोमवार को पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जिसके बाद उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि केईए की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात आदि अपराधों से संबंधित विभिन्न धाराओं और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्राथमिकी के अनुसार, जो अभ्यर्थी सीट लेना भी नहीं चाहते थे उनमें से कुछ की प्रविष्टियां कॉलेजों में दाखिले के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल की जा रही थीं। आरोपियों ने 52 अभ्यर्थियों से लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त किए और फिर उम्मीदवारों के रूप में खुद को पेश करते हुए उनकी ओर से प्रविष्टियां दर्ज कराईं।

पुलिस ने एक बयान में आरोप लगाया कि आरोपियों ने बीएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज, आकाश इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और न्यू होराइजन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में सरकारी कोटे के तहत इंजीनियरिंग सीटों को 'ब्लॉक' कर लिया, जिससे निजी कॉलेजों को फायदा हुआ और पात्र उम्मीदवारों को उनके अवसरों से वंचित किया गया।

बयान में कहा गया कि जांच के अनुसार आरोपियों ने गोवा, बेंगलूरु, शिवमोगा, दावणगेरे और चिकमगलुरु के कदुर में निजी कॉलेजों को लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों से 'लॉग इन' करने के लिए मोबाइल फोन और लैपटॉप का इस्तेमाल किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने अपराध में इस्तेमाल किए गए 13 मोबाइल फोन, कई दस्तावेज और तीन लैपटॉप जलाकर सबूत नष्ट कर दिए। जांच के लिए अधजली सामग्री को जब्त कर लिया गया है।

अग्निवीरों की पासिंग आउट परेड में झलकी 'साहस, अनुशासन और प्रतिबद्धता' की भावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय सेना के 765 अग्निवीरों की मंगलवार को मद्रास इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर, ड्रिल ग्राउंड में पासिंग आउट परेड हुई। इसके साथ ही ये अग्निवीर अब देश की सेवा के लिए अपनी यूनिट्स में जाने के लिए तैयार हैं। तीन विशिष्ट कार्यक्रमों के दौरान सेंटर ने अपने अग्निवीरों के अदम्य साहस, अनुशासन और प्रतिबद्धता का जश्न मनाया। गोविंदस्वामी ड्रिल स्क्वायर पर आयोजित यह परेड अनुशासन का एक शानदार प्रदर्शन थी। सुसज्जित पोशाकें पहने अग्निवीर सैन्य बैंड की धुनों पर मार्च कर रहे थे।

पासिंग आउट परेड के निरीक्षण अधिकारी मद्रास इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर अजय सिंह ठाकुर थे। उन्होंने अग्निवीरों को उनके उत्कृष्ट अभ्यास और प्रशिक्षण मानकों के लिए बधाई दी।

अग्निवीरों के गौरवान्वित माता-पिता को गौरव पदक प्रदान किए गए। उन्होंने अपने बेटों को 'थम्बी सैपर' का रैंक चिह्न पहनाकर समारोह में भाग लिया, जो 'प्रशिक्षुओं से सैनिकों' में परिवर्तन का प्रतीक था। सेंटर ने अग्निवीरों के परिवारों के स्वागत, परिवहन और आवास की व्यवस्था की थी। कार्यक्रम का समापन अधिकारियों द्वारा अभिभावकों के साथ बातचीत तथा उनकी खुशी और गर्व को साझा करने के साथ हुआ।

भाजपा केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ने असंतुष्ट विधायक यतनाल को तलब किया

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय अनुशासन समिति (सीडीसी) के सदस्य सचिव ओम पाठक ने कर्नाटक के विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को चार दिसंबर को तलब किया है। पार्टी विधायक रमेश जारकीहोली ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सीडीसी ने एक दिसंबर को यतनाल को प्रदेश पार्टी नेतृत्व के खिलाफ लगातार ''तीखी टिप्पणी'' करने, पार्टी के निर्देशों की अवहेलना और सभी मामलों पर पार्टी के आधिकारिक रुख के विपरीत रुख अपनाने को लेकर कारण बताओ नोटिस दिया है और उनसे 10 दिन के भीतर जवाब देने को कहा है।

जारकीहोली ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, ''ओम पाठक ने यतनाल को कल (बुधवार) सुबह 11:30 बजे मिलने के लिए बुलाया है। वह अकेले उनसे मिलने जाएंगे। हम उनके साथ नहीं जाएंगे। मुझे नहीं पता कि उन्हें कल कहां आने के लिए कहा गया है। यतनाल कल ही अपना जवाब देंगे।''

यतनाल पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा और उनके परिवार, खासकर भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा के कड़े आलोचक माने जाते हैं। वह अक्सर उन पर निशाना साधते हैं और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मांग करते रहे हैं कि कांग्रेस की 'परिवारवादी राजनीति' के खिलाफ प्रभावी लड़ाई के लिए येदियुरप्पा की परिवारवादी राजनीति'' पर लगाम लगाई जाए।

यतनाल ने विधायक रमेश जारकीहोली, अरविंद लिंबावली, महेश कुमाथल्ली, मधु बंगारप्पा सहित भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर बीदर से चामराजनगर तक वक्फ विरोधी मार्च निकाला है। यह मार्च 25 नवंबर को शुरू हुआ और 25 दिसंबर को समाप्त होगा।

मुलाकात

मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में धरना प्रदर्शन करते हुए कर्मचारियों से मुलाकात की। कर्मचारियों की मांग थी कि आईपीडी सलप्पा रिपोर्ट को लागू किया जाए। उपमुख्यमंत्री ने उनकी मांगों को सुना और शीघ्र ही इसका समाधान निकालने की बात कही।

अदालत ईडी जांच के खिलाफ शिवकुमार की याचिका पर जनवरी में करेगी सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा एक धन शोधन मामले की जांच के खिलाफ कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की याचिका पर सुनवाई के लिए 23 जनवरी की तारीख तय की है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने यह कहते हुए मामले की सुनवाई स्थगित कर दी कि उसके लिए मंगलवार को सुनवाई शुरू करना संभव नहीं था।

पीठ ने कहा, ''पक्षों की ओर से पेश वकीलों का कहना है कि मामले में कुछ समय लगेगा। आंशिक सुनवाई वाले मामले पहले से ही अदालत में सूचीबद्ध होने के कारण सुनवाई शुरू करना संभव नहीं होगा। इसे 23 जनवरी को सूचीबद्ध करें।''

शिवकुमार ने कथित आय से अधिक संपत्ति के मामले के बाद 2020 में एजेंसी द्वारा दर्ज ईसीआईआर (शिकायत) में उन्हें जारी किए गए समन सहित जांच को रद्द करने की मांग करते हुए 2022 में उच्च न्यायालय का रुख किया था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि उनकी दलीलों में 'आधे दिन' का समय लगेगा क्योंकि इसमें महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं।

अपनी याचिका में शिवकुमार ने अपने खिलाफ धन शोधन जांच को कई आधारों पर चुनौती दी, जिसमें उन्होंने तर्क दिया कि ईडी उसी अपराध की फिर से जांच कर रहा है जिसकी जांच 2018 में एक अन्य मामले में पहले ही की जा चुकी है। अधिवक्ताओं मयंक जैन, परमात्मा सिंह और मधुर जैन के माध्यम से दायर अपनी दलीलों में शिवकुमार ने कहा कि वर्तमान जांच उनके खिलाफ कार्यवाही का दूसरा सेट बनाती है और यह कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग और शक्ति का दुर्भावनापूर्ण प्रयोग है।

उच्च न्यायालय ने दो मई, 2023 को आदेश दिया कि ईडी अपने रुख के प्रति 'बाध्य' होगी कि मामले में शिवकुमार के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी।

ईडी ने इस आधार पर याचिका का विरोध किया है कि एजेंसी द्वारा दर्ज की गई दो ईसीआईआर तथ्यों की कुछ अधिव्याप्ति (ओवरलैपिंग) वाले अलग-अलग मामलों से संबंधित हैं जिन्हें दोबारा जांच नहीं कहा जा सकता है।

जांच एजेंसी ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ दो ईसीआईआर अलग-अलग तथ्यों पर आधारित थी और यहां तक ङ्कङ्कि दोनों मामलों में निर्धारित अपराध भी अलग-अलग थे और इसमें शामिल अपराध से अर्जित आय की मात्रा भी अलग थी।

विश्व दिव्यांगजन दिवस

मंगलवार को बेंगलूरु के कंटीरवा इंडोर स्टेडियम में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक अधिकारिता विभाग की ओर से आयोजित विश्व दिव्यांगजन दिवस समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, बालभवन के अध्यक्ष बीआर नायडू, धारवाड़ बाल विकास अकादमी के अध्यक्ष संगमेश्वर बबलेश्वर, महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक सिद्धेश्वर, विकलांग एवं वरिष्ठ नागरिक अधिकारिता विभाग के निदेशक टी. राघवेंद्र, विशेष आमंत्रित सदस्य इंदुमती राव, विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के राज्य आयुक्त दास सूर्यवंशी और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मंगलवार को बेंगलूरु मे मल्लेश्वरम् स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में 'संगठन पर्व' से संबंधित एक विशेष बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा, कर्नाटक के सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी, कर्नाटक चुनाव पर्यवेक्षक और पूर्व केंद्रीय मंत्री राधाकृष्णन, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलावाडी नारायणस्वामी विधान परिषद के सदस्य सी.टी. रवि, एन.रविकुमार, आयोजक पर्व रिटर्निंग ऑफिसर कैप्टन गणेश कार्णिक आदि ने भाग लिया।

यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने के लिए समिति बनाने पर निर्णय को टाला : फिल्म निर्माता लंकेश

बेंगलूरु। फिल्म निर्माता कविता लंकेश ने मंगलवार को कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने के लिए 'कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स' (केएफसीसी) द्वारा उनकी अध्यक्षता में एक समिति बनाने का जो निर्णय लिया था फिलहाल उसे टाल दिया गया है।

लंकेश ने बताया कि केएफसीसी ने एक दिसंबर को कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध व निवारण) अधिनियम के तहत 10 सदस्यीय आंतरिक समिति का गठन किया था। संयोग से लंकेश फिल्म इंडस्ट्री फॉर राइट्स एंड इक्वालिटी (एफआईआरई) की अध्यक्ष हैं।

यह संगठन महिलाओं के अधिकारों के लिए और कन्नड़ फिल्म उद्योग में दुर्व्यवहार के खिलाफ लड़ता है। एफआईआरई न्यायमूर्ति हेमा समिति की तर्ज पर एक समिति बनाने के लिए केएफसीसी पर दबाव डाल रहा है। न्यायमूर्ति हेमा समिति ने कई महिलाओं को मलयालम फिल्म जगत में यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी शिकायतें सामने लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

चर्चा

नई दिल्ली में कर्नाटक राज्य के भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख बसन गौड़ा पाटिल यतनाल के नेतृत्व में रमेश जारकीहोली, अरविन्द लिम्बावली, बीवी नाइक, एनआर संतोष, बीपी हरीश, जीएम सिद्धेश्वर, कुमार बंगारप्पा आदि ने वक्फ संशोधन विधेयक पर स्थायी समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल से उनके आधिकारिक आवास नं. 12 तीन मूर्ति मार्ग पर मुलाकात की और कर्नाटक में वक्फ बोर्ड के मुद्दों से संबंधित विस्तृत चर्चा की।

मकान पर चट्टान गिरने से सात लोगों की मौत

चेन्नई/दक्षिण भारत। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को तिरुवन्नामलाई जिले की अन्नामलाईयार पहाड़ी में बारिश जनित घटना में पांच बच्चों सहित सात लोगों की मौत होने पर दुख व्यक्त किया और मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की। पर्वतीय क्षेत्र के निचले इलाके में स्थित 'वीओसी नगर' में एक दिसंबर को मूसलाधार बारिश के बाद एक चट्टान लुढ़क कर आवासीय मकान पर आ गिरी थी। इस घटना के वक्त मकान में मौजूद चार सदस्यीय एक परिवार और पड़ोस के तीन बच्चों सहित सात लोग मलबे के नीचे दब गए थे। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल , पुलिस तथा दमकल एवं बचाव सेवा कर्मियों ने गहन खोज के बाद दो दिसंबर की शाम को उनके शव बरामद किये। तिरुवन्नामलाई के जिलाधिकारी डी भास्कर पांडियन ने बताया कि चक्रवात फेंगल' के कारण हुई भारी बारिश के कारण पहाड़ की चोटी पर मिट्टी दरकने से चट्टान लुढ़क कर मकान पर गिर गई थी।

मुख्यमंत्री ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा, ''मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं। मैंने मुख्यमंत्री जन राहत कोष से मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये प्रदान करने का आदेश दिया है।''

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान 32 वर्षीय राजकुमार, उनकी पत्नी मीना (27), उनके बेटे एवं बेटी तथा पड़ोस की तीन लड़कियों के रूप में हुई है। सभी पांच बच्चे 14 वर्ष से कम उम्र के थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक दिसंबर को शाम चार बजे राजकुमार को लगा कि भारी बारिश के कारण उनके घर पर एक पेड़ गिर गया है और जब उन्होंने अपने घर का दरवाजा खोलने की कोशिश की तो पहाड़ से एक चट्टान लुढ़क कर उनके घर पर गिर गई जिससे उनका घर मिट्टी और पत्थरों से ढंक गया।

सात नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा की सात सीट पर उपचुनाव में जीते विधायकों ने मंगलवार को यहां सदन की सदस्यता की शपथ ली। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इन नवनिर्वाचित सात विधायकों को अपने कक्ष में विधानसभा सदस्य के तौर पर शपथ दिलायी। सभी विधायकों ने हिंदी में शपथ ली। देवनानी ने नए विधायकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे सदन की गौरवमयी परम्परा, गरिमा, और मर्यादा का अनुपालन करें। इस कार्यक्रम में सलूंबर से शांता अमृतलाल मीणा ने, रामगढ़ से सुखवंत सिंह ने, झुंझुनूं से राजेंद्र भांभू ने, चौरासी से अनिल कुमार कटारा ने, खींवसर से रेवंतराम डांगा ने, देवली उनियारा से राजेंद्र गुर्जर ने एवं दौसा से दीनदयाल बैरवा ने विधायक के रूप में शपथ ली।

इस अवसर पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान भी मौजूद थे। खींवसर से नवनिर्वाचित विधायक डांगा अपने समर्थकों के साथ ट्रैक्टर पर सवार होकर विधानसभा पहुंचे थे। विधायकों के साथ उनके समर्थक भी बड़ी संख्या में पारंपरिक वेशभूषा में विधानसभा परिसर के बाहर नजर आए।

पिछले महीने विधानसभा की सात सीट के उपचुनाव में भाजपा ने पांच, कांग्रेस एवं भारत आदिवासी पार्टी ने एक-एक सीट जीती थी। राज्य की 200 सदस्यीय विधानसभा में अब भाजपा के 119, कांग्रेस के 66, भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के चार, बहुजन समाज पार्टी के दो, राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के एक विधायक हैं जबकि निर्दलीय विधायकों की संख्या आठ है।

सिरोही में छात्र ने कॉलेज की छठी मंजिल से कूदकर अपनी जान दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सिरोही में मेडिकल कॉलेज के एक छात्र ने छठी मंजिल से कथित तौर पर कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार सिरोही के बी आर आंबेडकर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के दूसरे वर्ष के छात्र राहुल गरासिया ने सोमवार देर रात कॉलेज की इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि राहुल सोमवार को आयोजित परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने से परेशान था। शिवगंज के पुलिस उपाधीक्षक पुष्पेंद्र वर्मा ने कहा, मंगलवार सुबह, दूसरे छात्रों ने उसे जमीन पर पड़ा देखा और वे उसे अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सोमवार रात राहुल इमारत की तीसरी मंजिल पर सहपाठियों के साथ पढ़ रहा था और बाद में यह कहकर चला गया कि उसे नींद आ रही है।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने कॉलेज की इमारत की छठी मंजिल से एक मोबाइल फोन, जैकेट और चप्पल बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक राहुल पाली जिले के बाली तहसील के पणेतरा गांव का रहने था।

अलवर में तेंदुए का खौफ; पकड़ने के लिए पिंजरे में बांधा मेमना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर में एक तेंदुए का खौफ देखा जा रहा है। इस तेंदुए को पकड़ने के लिए राज ऋषि कॉलेज में एक पिंजरे को लगाया गया। पिंजरे में मेमने को बांधा गया, लेकिन तेंदुआ काफी समझदार निकला और गच्चा दे गया। वह पकड़ में नहीं आया। बताया जाता है कि राज ऋषि कॉलेज में तीन दिन पहले यह तेंदुआ देखा गया था। अब जिस तरीके से इसके पैरों के निशान मिल रहे हैं उससे वन अधिकारी आशंका जता रहे हैं कि इस तेंदुए ने अब अपना यही इलाका बनाया हुआ है।

दरअसल, कॉलेज के पीछे जंगल है। वन अधिकारियों का कहना है कि तेंदुए को यह जंगल रास आ रहा है। सरिस्का और वन मंडल अलवर की टीम इस को पकड़ने में लगी हुई है। हालांकि यह तेंदुआ अभी तक पकड़ में नहीं आया है। रात को भी पिंजरे में बकरी का बच्चा बांधा गया था। तेंदुआ बकरी के इस बच्चे का शिकार करने के लिए यहां तक पहुंचा था लेकिन शिकार नहीं कर पाया और वापस चला गया।

इस जंगल में अन्य छोटे जीव भी रहते हैं। वन अधिकारियों का कहना है कि इसी वजह से तेंदुए को आसानी से शिकार मिल जा रहा है। इसी वजह से उसने अपनी टेरिटरी भी बनाई हुई है। तीन कैमरे लगाए गए हैं। एक पिंजरा और बढ़ाया जा रहा है। तेंदुए को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। वन अधिकारी प्रयास कर रहे हैं कि तेंदुए को किसी तरह ट्रेंकुलाइज किया जाए।

जिला वन अधिकारी राजेंद्र हुड्डा ने बताया कि तेंदुआ पिंजरे के पास भी आया फिर वापस चला गया। ट्रैप कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है। जंगल घना है। जंगल में जाने के लिए तेंदुए ने सड़क क्रॉस की थी। ऐसा प्रतीत होता है कि यह काफी दिनों से यहीं पर डेरा जमाए हुए है। इस घने जंगल में सांभर, बंदर, बिल्ली अन्य छोटे जानवर हैं। पानी के साधन भी पर्याप्त हैं। तेंदुए का मूवमेंट भी लगातार नजर आ रही है। जो गेट में से यह निकला था उसे गेट को भी बंद कर दिया गया है।

एक ही परिवार के 4 लोगों ने की आत्महत्या

झालावाड़। राजस्थान के झालावाड़ जिले में चार लोगों ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस मौके पर पहुंची है। मामले की जांच की जा रही है। पति और पत्नी ने 2 बच्चों के साथ फांसी लगाकर आत्महत्या की है।यह घटना जिले के गंगधार थाना क्षेत्र के जैताखेड़ी गांव में हुई है। ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस मौके पहुंची और शवों को चौमहला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गंगधार थाना प्रभारी अमरनाथ जोगी ने बताया कि क्षेत्र के जैता खेड़ी गांव में रहने वाले दंपती नागु सिंह और संतोष कंवर ने 8 वर्षीय बेटे और करीब 3 वर्षीय बेटी के साथ आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने चारों के शवों को अपने कब्जे में लेकर चौमहला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में भिजवाया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया जाएगा। फिलहाल आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल पाया है।

खेती-बाड़ी का काम करता था परिजनों की ओर से फिलहाल कोई शिकायत नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि नागु सिंह खेती-बाड़ी का काम किया करता था। ग्रामीणों के अनुसार दंपती ने पारिवारिक कलह के कारण ये कदम उठाया है।

राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक दिव्यांगजन तक पहुंचे : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक दिव्यांगजन तक पहुँच सके, इसके लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। राज्य में दिव्यांगजनों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्कूटी मोटराईज्ड ट्राई साईकिल, व्हील चेयर, ट्राई साईकिल इत्यादि आवश्यकता एवं पात्रता के अनुसार उपलब्ध कराई जा रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओटीएस स्थित भगवंत सिंह मेहता सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय दिव्यांगजन पुरस्कार सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणीयों के तहत चयनित 59 सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजनों एवं विशेष योग्यजनों के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों एवं संस्थाओं को 10 हजार रूपये राशि, प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 03 दिसम्बर को विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाया जाता है, इसी तर्ज पर ही राज्य सरकार द्वारा विशेष योग्यजनों के कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजनों एवं विशेष योग्जजनों के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों/ संस्थाओं को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाता है।

अविनाश गहलोत ने कहा कि इससे दिव्यांगजनों के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति/संस्थान प्रोत्साहित होंगे तथा उनके द्वारा किये जा रहे कार्यो, उनकी प्रतिभाओं से समाज रूबरू हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों से दिव्यांगजन तो लाभान्वित हो ही रहे हैं साथ ही साथ वह हमारे समाज में दिव्यांगजनों के क्षेत्र में कार्य कर रहे अन्य संस्थान एवं दिव्यांगजन के लिए एक प्रेरणा स्रोत के रूप में भी साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के पैरा ओलंपिक खेलों में दिव्यांग जनों द्वारा 29 पदक अर्जित किए गए जो कि बदलते भारत की तस्वीर को पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण दिया जाए तो वे और बेहतर कर सकते हैं।

अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2015 में सुगम्य भारत अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार दिव्यांगजनों की गतिशीलता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्थलों को सुगम्य बनाने हेतु निरन्तर कार्यरत है। वर्ष 2016 में 7 प्रकार की दिव्यांगताओं के स्थान पर 21 प्रकार की दिव्यांगता की श्रेणियों को मान्यता दी गई। इससे पहले सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। आयुक्त एवं विशिष्ट शासन सचिव, विशेष योग्यजन एच गुईटे ने राजस्थान सरकार द्वारा विशेष योग्यजन के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों और योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान साइन लैंग्वेज के द्वारा विशेष योग्यजन के लिए कार्यक्रम का अनुवाद भी किया गया।

धर्मांतरण कानून लाकर जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में नए धर्मांतरण कानून के प्रस्ताव को भजनलाल कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसे जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया है। गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को कहा कि भाजपा पहले भी धर्मांतरण कानून लेकर आई थी और अब वापस से कानून लेकर आई है। लेकिन यह कानून पास नहीं होगा। हर चीज के लिए पहले से कानून बना हुआ है और संविधान में भी व्यवस्था है। भाजपा सरकार ऐसे कानून लाकर जनता का ध्यान जनहित के मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि जब वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री थीं, उस समय भी इस तरह का कानून लाया गया था। उसका क्या हुआ, सबको मालूम है। अब एक बार फिर उसे पुनर्जीवित किया जा रहा है। भाजपा हिंदू-मुस्लिम करके अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रही है। भाजपा कब तक अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकेगी। जब विधेयक विधानसभा में आएगा तब उसके प्रावधान को देखने के बाद हम अपनी बातें सबके सामने रखेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चों वाले बयान पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राम मंदिर के अलावा हर रोज मस्जिदों में शिवलिंग ढूंढने की कोशिश करना गलत है। हमें हर धर्म का सम्मान करना चाहिए। यह सब चीज गलत है, जो देश में अराजकता और नफरत फैलाने वाली है। मोहन भागवत के बातों को भाजपा नहीं मान रही है, इससे ज्यादा और दुर्भाग्य क्या होगा? जिस आरएसएस के कंधे पर बैठकर और सवारी करके भाजपा सत्ता तक पहुंची है, वह मोहन भागवत की बात को नहीं मान रही है।

डोटासरा ने नगर निकाय चुनाव के बारे में कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है और करीब एक साल होने को आया तब से जनप्रतिनिधियों और उनके कामों की अपेक्षा की जा रही है। डोटासरा ने कहा, सबको मालूम था कि नवंबर में प्रदेश में अधिकतर नगर निकायों के चुनाव होने हैं जिसके लिए उन्हें वोटर लिस्ट और आरक्षण की व्यवस्था करने सहित अन्य काम करने थे। लेकिन सरकार हाथ पैर हाथ धरे बैठी रही, क्योंकि उनकी मंशा खराब थी। अब करीब एक महीने बाद पहले चरण में जनवरी में पंचायत राज के चुनाव होने हैं जिसकी सरकार तैयारी नहीं कर रही है। इसका मतलब स्पष्ट है कि भाजपा सरकार प्रशासक लगाकर जनप्रतिनिधियों के अधिकारों को छीनना चाहती है। भाजपा प्रशासक लगाकर ब्यूरोक्रेसी से सरकार चलाना चाहती है।

राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में खनन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि राज्य में खनिज संसाधनों की अपार संभावनाएं हैं और इस क्षेत्र से करीब 30 लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के राजस्व में भी खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में राज्य सरकार कि प्राथमिकता है कि खनिज संपदा का समुचित दोहन हो तथा इस क्षेत्र में राजस्व में बढ़ोतरी की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग खनिज खोज कार्य में तेजी लाते हुए नये खनन क्षेत्रों की पहचान करें तथा नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए। शर्मा खान एवं पेट्रोलियम विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति से प्राप्त खनिज संसाधन का उपयोग जनता के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए तथा इसकी पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खान विभाग की विभिन्न गतिविधियों के लिए आंकलन समिति का गठन किया जाए तथा इसकी नियमित बैठक भी आयोजित की जाए। उन्होंने तेल शोधन संयंत्र परियोजना के लिए संबंधित कंपनी से वार्ता कर शीघ्र कार्ययोजना भी बनाने के लिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बेहद हर्ष का विषय है कि वर्तमान सरकार ने अपने प्रथम वर्ष के कार्यकाल में ही 47 खदान नीलाम कर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि गत सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 34 खदान ही नीलाम किये थे।

शर्मा ने कहा कि हाल ही में मंत्रिमंडल ने नयी खनिज नीति 2024 तथा नयी 'एम-सैंड नीति 2024' को मंजूरी दी है। नयी खनन नीति से प्रदेश में खनन आधारित उद्योगों, औद्योगिक निवेश, युवाओं व स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा एवं राजस्व में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि साथ ही, अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने में भी यह नीति महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि नयी एम-सैंड नीति से प्रदेश में एम-सैंड इकाइयों की स्थापना और बजरी के सस्ते विकल्प के रूप में एम-सैंड के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रदेशभर में खनन कार्य नियमों के अनुरूप ही हो, ताकि अवैध खनन पर अंकुश लगे और वैध खनन को बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री ने की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के कमजोर वर्ग को मिलना सुनिश्चित हो इसके लिए हम प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सेवाभाव से कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय बजट घोषणाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। शर्मा ने कहा कि विभाग द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए संचालित आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता तय कर चरणबद्ध रूप से किया जाए।

'रन फॉर विकसित राजस्थान' का आयोजन 12 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 12 दिसंबर को जयपुर में 'रन फॉर विकसित राजस्थान-2024' (रवि-राज) का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और युवा एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ प्रातः 8 बजे जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति से रन फॉर राजस्थान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में 'रन फॉर विकसित राजस्थान' कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक ली और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागियों का भाग लेना सुनिश्चित करने और उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिये। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम का मार्ग अमर जवान ज्योति से एसएमएस स्टेडियम का पूर्ण चक्कर लगाकर टोंक रोड, रामबाग सर्किल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्किल से अमर जवान ज्योति रहेगा।

राइजिंग राजस्थान : प्रदेश में पहली बार आएगा रिकॉर्ड तोड़ पूंजी निवेश

जयपुर/दक्षिण भारत। भाजपा की भजन लाल सरकार राजस्थान के विकास में नया अध्याय जोड़ते हुए ऐतिहासिक रिकॉर्ड की ओर बढ़ रही है। पहली बार प्रदेश में रिकॉर्डतोड़ पूंजी निवेश होने की उम्मीद है। क्योंकि राज्य के उद्योग जगत के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट बड़ा अवसर बनकर आई है। उम्मीद है कि इस समिट में 30 लाख करोड़ रुपए के एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) साइन होने जा रहे हैं। यह पहल राज्य को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरने में मदद करेगी और रोजगार के अनगिनत अवसर सृजित करेगी। इससे पहले राजस्थान में अधिकतम 12.50 लाख करोड़ रुपए के एमओयू साइन होने का रिकॉर्ड है। इस अद्वितीय आयोजन की सफलता के पीछे राज्य सरकार, प्रशासन और उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा की अथक मेहनत छिपी है।

मुख्यमंत्री भजन लाल, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और उनके नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने देश-विदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए व्यापक रोड शो का आयोजन किया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों से लेकर दुबई और स्विट्जरलैंड जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक, राजस्थान ने अपनी संभावनाओं और संसाधनों को पूरे उत्साह के साथ प्रदर्शित किया।

राजस्थान, जो अपनी सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन और खनिज संपदा के लिए जाना जाता है, अब उद्योग और निवेश के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है।

सम्मान

जयपुर में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी सिविल लाइन स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई कर प्रदेश के विभिन्न स्थानों व विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से आएं भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन की समस्याएं जानी तथा निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

कांग्रेस की सरकार में बैकिंग प्रणाली 'वेंटिलेटर' पर थी, मोदी सरकार में ठीक हुई : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में 'बैंकिंग फोन सिस्टम' था और उस समय बैंकिंग प्रणाली 'वेंटिलेटर' पर चली गई थी।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने 'बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक, 2024' पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व के चलते भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में सुधार आया जो विकसित भारत के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा, ''जब प्रधानमंत्री 'एक हैं तो सेफ हैं' की बात करते हैं तो वह बैंकिंग सुधारों के लिए महत्वपूर्ण है।'' पात्रा का कहना था कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता है कि जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा हो। उन्होंने आरोप लगाया, ''कांग्रेस पार्टी के समय 'फोन बैंकिंग सिस्टम' था...नेता फोन उठाकर कहते थे कि कर्ज दे दो, यह नहीं देखा जाता था कि कर्ज लेने वाला लौटा सकता है या नहीं। कांग्रेस की इस प्रणाली के कारण एनपीए बढ़ता चला गया।'' भाजपा सांसद ने कहा, ''बैंकिंग प्रणाली वेंटिलेटर पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इसे संकट से बाहर निकाला।'' भाजपा सांसद ने इस दौरान कांग्रेस के एक दिवंगत नेता के नाम का उल्लेख किया जिस पर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों ने पुरजोर हंगामा किया। सदन में हंगामा होने पर द्रमुक सांसद ए राजा ने नियम का हवाला देते हुए कहा कि यहां एक पूर्व प्रधानमंत्री के नाम का गैरजरूरी उल्लेख किया गया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आसन के खिलाफ 'हाय हाय' के नारे लगाए गए, जो गलत है। उन्होंने कहा, ''जरूरत पड़े तो (विपक्षी सांसदों को) माफी मांगनी चाहिए।''

ओडिशा में 2019 से 2024 तक 34 तेंदुए और तीन बाघों की मौत हुई: मंत्री

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री गणेश राम सिंह खुंटिया ने मंगलवार को राज्य विधानसभा को अवगत कराया कि राज्य में 2019 से 2024 तक विभिन्न कारणों से 34 तेंदुए और तीन रॉयल बंगाल बाघ की मौत हुई। कांग्रेस विधायक ताराप्रसाद बहिनीपति द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि 34 तेंदुओं में से 17 को शिकारियों ने मार गिराया, तीन करंट लगने, एक ट्रेन दुर्घटना में, तीन सड़क दुर्घटना में और तीन बीमारियों के कारण मर गए। इसी तरह, चार तेंदुओं की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई, जबकि अन्य तीन तेंदुओं की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने सदन को बताया कि एक रॉयल बंगाल बाघ को शिकारियों ने मार डाला और दूसरे की मौत बाघों के आपसी संघर्ष के कारण हुई, जबकि सरकार को इस अवधि के दौरान हुई एक अन्य बाघ की मौत का कारण नहीं पता है।

शास्त्रों के अनुसार ही रथ यात्रा आयोजित करे इस्कॉन: पुरी जगन्नाथ मंदिर समिति

भुवनेश्वर/भाषा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति (एसजेटीएम) ने अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) से कहा है कि रथ यात्रा शास्त्रों में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया से दशमी तिथि के बीच आयोजित की जानी चाहिए। पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था एसजेटीएम ने इस बात पर जोर दिया कि जून के अंत या जुलाई में आयोजित की जाने वाली वार्षिक रथ यात्रा के लिए निर्धारित तिथियों में कोई परिवर्तन नहीं होना चाहिए। पुरी के गजपति महाराज के साथ एसजेटीएम के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने वाले दिव्य सिंह देब ने सोमवार को पुरी के रॉयल पैलेस में एक बैठक के दौरान इस्कॉन को यह जानकारी दी।

बैठक में श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी, इस्कॉन के शासी निकाय आयोग (जीबीसी) के प्रमुख गुरु प्रसाद स्वामी महाराज, ओडिशा इस्कॉन के निदेशक प्रेमानंद दास महाराज और भुवनेश्वर के क्षेत्रीय निदेशक बनमाली चंद्र दास सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। बैठक के बाद पाधी ने पत्रकारों से कहा, ''इस्कॉन को समय से इतर रथ यात्रा आयोजित नहीं करने की सलाह दी गई है, ये परंपरा के खिलाफ है।'' एसजेटीए ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बात की फिर से पुष्टि की है कि रथ यात्रा की तिथियां पवित्र ग्रंथों और परंपराओं के अनुसार तय हैं। एसजेटीए और इस्कॉन दोनों के विशेषज्ञों के जल्द ही इस मामले पर आगे चर्चा करने के लिए मिलने की उम्मीद है। इस्कॉन के अधिकारी फरवरी 2025 में होने वाली जीबीसी बैठक में इस मुद्दे को उठाने की योजना बना रहे हैं।

'पशुओं के चारागाह के लिए पर्याप्त भूमि आरक्षित करें और गौ सरोवर भी बनाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां अधिकारियों को पशुओं के चारागाह के लिए पर्याप्त भूमि आरक्षित करने और गौ सरोवर बनाने की भी व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने अपराह्न यहां ताल नदोर में बन रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का निरीक्षण करने के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि यहां ताल नदोर में बन रहे पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय और यहां प्रस्तावित 'इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम' तथा कान्हा गोशाला को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाए। उनका कहना था कि सरकार की मंशा इस क्षेत्र को विकास का एक नया मॉडल बनाने की है। मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की डिजाइन, लेआउट, मॉडल का अवलोकन कर इसके प्रमुख आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि ताल नदोर में 80 से 100 एकड़ में प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और 52 एकड़ में नगर निगम की तरफ से बनाए जाने वाले कान्हा गोशाला को भी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एक दायरे में लाया जाए। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री को लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के लिए 106 एकड़ क्षेत्रफल में प्रारंभिक सर्वे का काम किया जा चुका है। इसके अलावा 52 एकड़ में कान्हा गोशाला का निर्माण कराया जाएगा। बयान के मुताबिक पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के निर्माण की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रथम चरण का निर्माण मार्च 2026 में पूरा करा लिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पशुओं के चारागाह के लिए पर्याप्त जमीन आरक्षित की जाए और गौ सरोवर बनाने के लिए भी व्यवस्था की जाए। इसके लिए संरचना में आवश्यक परिवर्तन भी किए जाएं।

प्रदूषण की वजह से दिल्ली आना नहीं चाहता: केंद्रीय मंत्री गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण स्तर से परेशान केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को स्वीकार किया कि उन्हें राष्ट्रीय राजधानी आने का मन नहीं करता, क्योंकि यहां उन्हें अक्सर संक्रमण हो जाता है।

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नागपुर से सांसद गडकरी ने कहा कि दिल्ली शहर ऐसा है कि मुझे यहां रहना पसंद नहीं है। यहां प्रदूषण के कारण मुझे संक्रमण हो जाता है। उन्होंने कहा, हर बार दिल्ली में आते हुए ऐसा लगता है कि (दिल्ली) जाना चाहिए कि नहीं। इतना भयंकर प्रदूषण है। गडकरी ने सुझाव दिया कि प्रदूषण को कम करने का सबसे अच्छा तरीका जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल) की खपत को कम करना है। मंगलवार को दिल्ली के निवासियों ने हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार देखा। सुबह एक्यूआई 274 पर था, जो लगातार तीसरे दिन राहत का संकेत है। दिल्लीवासियों के लिए दिसंबर की शुरुआत नवंबर की तुलना में अपेक्षाकृत आसान रही है। नवंबर में महीने के ज्यादातर दिनों में वायु प्रदूषण का स्तर काफी अधिक था। गडकरी ने कहा कि भारत 22 लाख करोड़ रुपए के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है, जो अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और पारिस्थितिकी के दृष्टिकोण से चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा, हम वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देकर जीवाश्म ईंधन के आयात को कम कर सकते हैं। अपने बेबाक विचारों के लिए मशहूर गडकरी ने कहा कि भारत के सामने सबसे बड़ी समस्या गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी है, इसलिए आने वाले समय में सरकार को आर्थिक और सामाजिक समानता हासिल करना सुनिश्चित करना होगा।

महिला सुरक्षा उपायों को लागू करने में विफल रहीं बंगाल और दिल्ली की सरकारें : मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मंगलवार को दिल्ली और पश्चिम बंगाल सरकारों पर केंद्र सरकार से वित्त पोषण और सहयोग के बावजूद महत्वपूर्ण महिला सुरक्षा उपायों को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली सरकार ने संकट से घिरी महिलाओं की सहायता के लिए बनाए गए 'निर्भया कोष' के तहत स्थापित 'वन-स्टॉप सेंटर' (ओएससी) के कर्मचारियों को भुगतान नहीं किया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले महीने दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को ओएससी में काम करने वाले कर्मचारियों के बकाया वेतन को व्यवस्थित करने और भुगतान करने के लिए कदम उठाने और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा था। मंत्री ने कहा, ''केंद्र ने निर्भया कोष जैसी पहल के माध्यम से राज्यों को लगातार समर्थन दिया है, लेकिन राज्य स्तर पर कार्यान्वयन में देरी देखना निराशाजनक है।'' देवी ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत मामलों में तेजी लाने के लिए त्वरित अदालतों का संचालन नहीं करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की भी आलोचना की। महिला सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश भर में 802 ओएससी का सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है, जिनके माध्यम से 10 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की गई है।

अखिलेश ने संभल हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया, मानसरोवर पर ध्यान देने का सुझाव दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के लिए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जिम्मेदार ठहराया और सुझाव दिया कि हर जगह खोदाई करने के बजाय उसे कैलाश मानसरोवर पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि कभी ऐसा दिन आ सकता है जब श्रद्धालुओं को वहां जाने की अनुमति नहीं मिले।

संसद के बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि संभल में एक मजिस्द का सर्वेक्षण कराये जाने को लेकर हुई हिंसा उत्तर प्रदेश में हालिया विधानसभा उपचुनाव के दौरान राज्य प्रशासन द्वारा की गई 'गड़बड़ियों' से लोगों का ध्यान भटकाने की एक ''सुनियोजित साजिश'' थी। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मुगलकालीन मस्जिद का 19 नवंबर को सर्वेक्षण किये जाने के बाद संभल में तनाव पैदा हो गया। इससे पहले, अदालत में दायर वाद में दावा किया गया था कि उक्त स्थल पर पहले एक हरिहर मंदिर था।

मस्जिद का दूसरा सर्वेक्षण 24 नवंबर को किये जाने के दौरान हिंसा भड़क गई थी क्योंकि प्रदर्शनकारी शाही जामा मस्जिद के निकट एकत्र हुए थे और सुरक्षा कर्मियों के साथ उनकी झड़प हुई थी। हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए।

सपा प्रमुख ने दावा किया, ''यह एक सुनियोजित साजिश थी। (उप्र के विधानसभा उपचुनाव में) मुसलमानों को कुंदरकी, मीरापुर और कटेहरी में वोट नहीं देने दिया गया। उपचुनावों पर चर्चा से बचने के लिए (उत्तर प्रदेश) सरकार ने इस घटना की साजिश रची।'' उन्होंने चीन का नाम लिए बिना कहा, ''आप कितनी खोदाई करेंगे? आप हर जगह खोदाई करना चाहते हैं... आप मानसरोवर पर ध्यान नहीं दे रहे हैं... वहां कैलाश पर्वत है। एक दिन ऐसा आएगा, जब वह देश आपको दर्शन के लिए भी नहीं जाने देगा। इस बारे में कौन सोचेगा?'' उन्होंने यह भी कहा, 'आप यहां खोदाई इसलिए कर रहे हैं कि आप सांप्रदायिक सद्भाव को तहस-नहस करना चाहते हैं।''

नोएडा: दलित प्रेरणा स्थल पर धरना दे रहे 160 से अधिक किसानों को गिरफ्तार किया गया

नोएडा (उप्र)/भाषा। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नोएडा के 'दलित प्रेरणा स्थल' पर धरना दे रहे 160 से अधिक किसानों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा, भारतीय किसान यूनियन (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) के प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना, किसान नेता रूपेश वर्मा, सुनील फौजी, सुनील प्रधान, उदल यादव और अमन भाटी समेत कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया है।

सरकार द्वारा अधिग्रहित की गई अपनी जमीन के लिए उचित मुआवजे की मांग को लेकर ये किसान सोमवार को महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्र होकर दिल्ली के लिए रवाना हुए थे लेकिन पुलिस ने उन्हें दलित प्रेरणा स्थल के पास रोक लिया था जिसके बाद वहीं किसान धरने पर बैठ गए थे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) शिव हरि मीणा ने बताया कि पुलिस ने दोपहर करीब डेढ़ बजे 160 से ज्यादा किसानों को गिरफ्तार कर लिया। सुखबीर खलीफा ने कहा कि पुलिस ने उन्हें तथा अन्य किसान नेताओं को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

बदायूं में जामा मस्जिद के नीलकंठ महादेव मंदिर होने के वाद पर सुनवाई 10 दिसंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश में बदायूं की एक अदालत ने जामा मस्जिद के नीलकंठ महादेव मंदिर होने के दावे संबंधी वाद की पोषणीयता (सुनवाई योग्य) पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए अगली तारीख 10 दिसंबर मुकर्रर की। एक अधिवक्ता ने बताया कि सिविल जज सीनियर डिवीजन अमित कुमार ने सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख तय की है, जिसमें दोनों पक्षों के वकीलों को पूर्वाह्न साढ़े दस बजे अदालत में पेश होकर अपना पक्ष रखना है।

जामा मस्जिद शम्सी बनाम नीलकंठ मंदिर मामले में मुस्लिम पक्ष के वकीलों ने मंगलवार को इस मामले को खारिज करने की दलील दी। उन्होंने तर्क दिया कि हिंदू महासभा को इस मामले में वादी बनने का कानूनी अधिकार नहीं है।

शम्सी शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी/वक्फ बोर्ड के अधिवक्ता असरार अहमद ने बताया कि मस्जिद करीब 850 साल पुरानी है और वहां मंदिर का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू महासभा को इस मामले में याचिका दायर करने का अधिकार ही नहीं है।

उनका तर्क है कि मस्जिद में पहले भी कभी पूजा नहीं की गई और वहां पूजा की भी नहीं जा सकती इसलिए पूजा-अर्चना की अनुमति देने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने यह तर्क भी दिया कि हिन्दू महासभा इसमें वादी बनने के लिए कानूनी हक नही रखती है।

अरुणाचल: पद्मश्री लेगो ने कहा, हर बीमारी का समाधान जंगल में है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पासीघाट (अरुणाचल प्रदेश)/भाषा। अरुणाचल प्रदेश में सदियों पुराने रहस्यों को खुद में छिपाए रखने वाले हरे-भरे जंगल में पद्मश्री यानुंग जामोह लेगो भारत की प्राकृतिक संपदा को फिर से सामने लाने के अभियान पर हैं। पद्मश्री लेगो को 'जड़ी-बूटियों की आदि रानी' के रूप में भी जाना जाता है।

लेगो पिछले 30 वर्षों से अधिक समय से जड़ी बूटियों से कैंसर और गुर्दे की लंबी बीमारियों का उपचार कर रहीं हैं। उनके काम ने अनगिनत मरीजों के लिए आशा की किरण जगाई है। लेगो का कहना हैं, ''स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत, विदेशियों (दवा कंपनियों, अस्पतालों) के लिए एटीएम बनता जा रहा है और विदेशी भारत से इसे प्राप्त कर रहे हैं। मैं बीमारियों को खत्म करना चाहती हूं, लेकिन कुछ लोगों ने इसे अपना धंधा बना लिया है।'' उनका दृढ़ विश्वास है कि हर बीमारी का समाधान जंगल में है। उन्होंने कहा, ''जंगल है तो सब कुछ मंगलकारी होगा। इसीलिए जंगल के पशु-पक्षी बीमार नहीं पड़ते।'' उनका मानना है कि प्रकृति मानवीय बीमारियों का समाधान रखती है, उन्होंने जड़ी बूटी से कैंसर, ट्यूमर और फेफड़ों की बीमारियों का इलाज करके इसे सिद्ध किया है। लेगो के पास देश और विदेशों से मरीज आते हैं। वह शांत भाव से कहती हैं, ''कैंसर का इलाज आसान है।'' वह कहती हैं, ''जो व्यक्ति रसायन खाता है, उसे कैंसर हो जाता है। जो व्यक्ति प्राकृतिक चीजें खाता है, उसे कभी कैंसर नहीं होता।''

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटीं, पर जनता को नहीं मिली राहत : विपक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को एक-एक कर बंद करने का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने राज्यसभा में कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटने के बावजूद आम आदमी को कोई राहत नहीं दी गई। वहीं सत्ता पक्ष ने कहा कि बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में देश को तेल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना तथा आयात पर निर्भरता कम करना समय की मांग है।

उच्च सदन में कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल ने तेल क्षेत्र (नियमन एवं विकास) संशोधन विधेयक 2024 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि सरकार आखिर यह विधेयक क्यों ला रही है, यह बात पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तेल क्षेत्र (नियमन एवं विकास) संशोधन विधेयक 2024 सदन में चर्चा करने एवं पारित करने के लिए पेश किया। विधेयक पर चर्चा में हिस्सा ले रहे गोहिल ने आरोप लगाया कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को घाटे या अन्य कारणों का हवाला दे कर बंद कर रही है लेकिन भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए प्रावधानों को कठोर नहीं कर रही है।

धन की कमी के कारण कोई भी मां इलाज से वंचित नहीं रहेगी: नि:शुल्क प्रसव योजना पर बोले नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि देश में कोई भी गर्भवती महिला धन की कमी के कारण इलाज से वंचित नहीं रहेगी क्योंकि सरकार के जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) का मकसद ही सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त में इलाज मुहैया कराना है।

प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए नड्डा ने राज्यसभा को बताया कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जरूरत आधारित है और बजट कोई मुद्दा नहीं है। इस योजना के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में, गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन सहित प्रसव की सुविधा नि:शुल्क दी जाती है।

इस योजना के संदर्भ में दो सदस्यों द्वारा अपने अपने राज्यों की तुलना किए जाने पर नड्डा ने कहा, ''केरल की तुलना महाराष्ट्र से न करें क्योंकि यह कार्यक्रम जनसंख्या आधारित है। इसके तहत हर मां का ख्याल रखा जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''धन की कमी के कारण कोई भी मां इलाज से वंचित नहीं रहेगी...इस योजना के लाभों से वह वंचित नहीं रहेगी। केरल में भी यह जरूरत आधारित है।'' नड्डा ने आश्वासन दिया कि केरल में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में हर मां को नि:शुल्क प्रसव की सुविधा मिलेगी। मंत्री ने कहा कि महिला के गर्भधारण करने के साथ ही, योजना के तहत प्रसव पूर्व जांच शुरू हो जाती है और प्रसव से पहले उसे सभी आवश्यक टीके दिए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''हर महीने की 9 तारीख को जिला अस्पताल में गर्भवती महिला की स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा नि:शुल्क जांच की सुविधा होती है। आशा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे उच्च जोखिम वाले रोगियों का इलाज करें क्योंकि उन्हें अधिक जांच की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रसव संस्थान में ही हो।'' योजना का ब्यौरा देते हुए नड्डा ने कहा, ''जब प्रसव होता है तो अगर यह सी-सेक्शन है, तो (अस्पताल में) सात दिनों तक रहना होता है। यह नि:शुल्क है। अगर बच्चे के साथ कोई जटिलता है तो बच्चे के साथ 10 दिनों तक रहना होता है, जो नि:शुल्क है।'' उन्होंने कहा कि मां को अस्पताल ले जाने और प्रसव के बाद उसे वापस घर छोड़ने के लिए सरकार द्वारा परिवहन की सुविधा दी जाती है। उल्लेखनीय है कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) की शुरुआत केंद्र सरकार ने एक जून, 2011 को की थी।

पराली जलाना किसानों की मजबूरी, समाधान के लिए प्रति एकड़ 2,500 रुपए मुआवजा दिया जाए : चड्ढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा ने धान की फसल कटने के बाद पराली जलाए जाने को किसानों की मजबूरी बताते हुए मंगलवार को सुझाव दिया कि यदि उन्हें प्रति एकड़ 2,500 रुपए मुआवजा के तौर पर दिया जाए तो इस समस्या का अल्पकालिक समाधान निकल सकता है।

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान चड्ढा ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि वायु प्रदूषण केवल दिल्ली का मुद्दा नहीं है बल्कि पूरे उत्तर भारत का मुद्दा है लेकिन इसके लिए सारा दोष किसानों पर मढ़ दिया जाता है। उन्होंने कहा, ''आज इस दिल्ली से कहीं ज्यादा वायु प्रदूषण भागलपुर, मुजफ्फरनगर, नोएडा, हापुड़, विदिशा, भिवानी, भिवाड़ी, आगरा और फरीदाबाद जैसे इलाकों में है। लेकिन वायु प्रदूषण का सारा दोष देश के किसानों पर मढ़ा जाता है। इसलिए मैं आज उन किसानों की आवाज उठाना चाहता हूं।'' आईआईटी के एक अध्ययन का हवाला देते हुए आप सदस्य ने कहा कि पराली जलाना वायु प्रदूषण का एक कारण है, इकलौता कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरे साल लोग किसानों को भगवान और अन्नदाता कहते हैं लेकिन जैसे ही नवंबर का महीना आता है, उन्हें अपराधी बताया जाता है और उन्हें जेल में डालने तथा जुर्माना लगाए जाने की बात होने लगती है। उन्होंने कहा, ''मैं कहना चाहता हूं कि कोई भी किसान जानबूझकर व अपनी खुशी से पराली नहीं जलाता है। वह मजबूरी में जलाता है।'' चड्ढा ने कहा कि इस साल तो पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 70 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट देखी गई है जबकि मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब में धान की खेती इसलिए शुरू की गई थी क्योंकि देश में अनाज की कमी थी और देश का पेट पालना था।

सुविचार

कागजों को एक साथ जोड़े रखने वाली पिन ही कागजों को चुभती है, उसी प्रकार परिवार को भी वहीं व्यक्ति चुभता है जो परिवार को जोड़ के रखता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश: कैसे होगी शांति स्थापित?

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न, भारतीय ध्वज के अपमान और भारतविरोधी भावनाओं में बढ़ोतरी के मद्देनज़र अब बहुत जरूरी हो गया है कि वहां 'शांति स्थापित' करने के लिए कुछ सख्त कदम उठाए जाएं। उसकी अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस तो कागजी शेर ही साबित हुए। अगर वे शांति लाने के इच्छुक होते तो उनकी कोशिशों का अब तक कुछ असर जरूर नजर आता। वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाओं के बाद भारत सरकार से बड़ी उम्मीदें हैं। सरकार की ओर से ऐसे बयान आए हैं, जिनमें पड़ोसी देश के हालात पर गहरी चिंता जताई गई है। यूनुस इन बयानों की गंभीरता भलीभांति जानते हैं, लेकिन उन्हें कोई परवाह नहीं है। बांग्लादेश में 'हिंदूविरोध' के साथ ही 'भारतविरोध' जोरों पर है। वहां कट्टरपंथियों में होड़ मची है कि किसी तरह भारत के खिलाफ बयान देकर 'क्रांतिकारी' होने का तमगा हासिल किया जाए! इन हरकतों को भारत सरकार देख रही है और भारतवासी भी देख रहे हैं। दरअसल बांग्लादेशी अपने जीवन की सबसे बड़ी भूल कर रहे हैं। क्या वे नहीं जानते कि उनके देश की अर्थव्यवस्था काफी हद तक भारत पर निर्भर करती है? अगर भारत मुंह फेर लेगा तो बांग्लादेश की वही दुर्गति होगी, जो पाकिस्तान की हो चुकी है। यह न भूलें कि कुछ महीने पहले तक मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू भी बड़े तीखे तेवर दिखा रहे थे। उसके बाद जैसे ही भारतवासियों ने 'बहिष्कार' की घोषणा की, मुइज़्ज़ू को आटे-दाल का भाव मालूम हो गया। अब उनके मिजाज में बदलाव आ चुका है। उनके शब्दों से भारत के प्रति आत्मीयता टपकने लगी है। हालांकि सब जानते हैं कि मुइज़्ज़ू अंदर से अब भी घोर भारतविरोधी हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ बयानबाजी इसलिए बंद कर दी, क्योंकि वे समझ गए कि दिल्ली के सहयोग के बिना उनका काम नहीं चलने वाला।

भारत और भारतवासियों की ताकत का एहसास बांग्लादेश को कराना जरूरी है। हमें इस बात का और इंतजार नहीं करना चाहिए कि ढाका में यूनुस और उनकी मंडली का हृदय-परिवर्तन हो जाएगा। इस सिलसिले में 'ऑल त्रिपुरा होटल एंड रेस्टोरेंट ओनर्स एसोसिएशन' (एटीएचआरओए) द्वारा बांग्लादेशी पर्यटकों को अपनी सेवाएं उपलब्ध नहीं कराने का निर्णय लिया जाना स्वाभाविक है। भारत में कुछ डॉक्टरों की इस बात को लेकर आलोचना हो रही है कि उन्होंने बांग्लादेशियों का इलाज करने से इन्कार कर दिया। यहां डॉक्टरों की भावनाओं को समझना जरूरी है। कोई व्यक्ति ढाका में मंदिरों का अपमान करे, हिंदुओं का उत्पीड़न करे, तिरंगे की मर्यादा से खिलवाड़ करे और भारतविरोधी विचारों को बढ़ावा दे, लेकिन इसके साथ यह उम्मीद भी रखे कि जब वह कोलकाता आए तो यहां भारतीय उसका स्वागत फूल मालाओं से करना अपना कर्तव्य समझें! यह नहीं हो सकता। भारतीय डॉक्टरों ने अनगिनत बांग्लादेशी मरीजों का इलाज किया है। वे भविष्य में भी इसके लिए तैयार हैं। बस, बांग्लादेशियों को 'मनुष्य' की तरह व्यवहार करना होगा। उन्होंने अपने देश की सड़कों पर जो हुड़दंग मचा रखा है, उसके लिए यह न समझें कि भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं होगी। बेशक हम शांतिप्रिय लोग हैं। हम सभी बांग्लादेशियों के लिए अच्छी भावनाएं रखते हैं। हम चाहते हैं कि बांग्लादेश में खुशहाली आए, विकास हो। इसके साथ हम यह भी चाहते हैं कि बांग्लादेश के लोग भारतवासियों के लिए अच्छी भावनाएं रखें। अगर बांग्लादेशी यह सोचते हैं कि वे भारतविरोधी भावनाओं को बढ़ावा देते रहेंगे और दिल्ली से उनकी तरफ 'मिठाइयां' आती रहेंगी, तो अब ऐसा संभव नहीं है। जिस दिन भारत ने बिजली कटौती कर दी, जरूरी चीजों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया या कीमतें बढ़ा दीं, परस्पर सहयोग बंद कर दिया, भारतवासियों ने आर्थिक बहिष्कार कर दिया तो बांग्लादेश छह महीने भी नहीं चल पाएगा। उस सूरत में यूनुस को हुड़दंगियों के खिलाफ मजबूरन बलप्रयोग करना होगा। सख्त कार्रवाई हो तो पूरा बांग्लादेश एक हफ्ते में 'सही लाइन' पर आ सकता है।

ट्वीटर टॉक

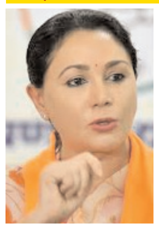

आज सिविल लाइन स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई कर प्रदेश के विभिन्न स्थानों व विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से पधारे भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन की समस्याएं जानी तथा निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

-दीया कुमारी

लखनऊ में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्थाओं एवं महानुभावों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से अलंकृत तथा मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही, अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को पूर्वदशम छात्रवृत्ति का वितरण भी किया गया।

-योगी आदित्यनाथ

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की पुण्यतिथि पर उन्हें मेरा कोटिशः नमन। उनके अद्वितीय कौशल और समर्पण ने भारत को विश्व हॉकी में एक नई पहचान दिलाई। उनकी खेल प्रतिभा और उपलब्धियां देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेंगी।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

समाज सेवा के लक्ष्य

दीनदयाल उपाध्याय एक छोटे से गांव में यात्रा पर थे। एक दिन एक युवा कार्यकर्ता ने उन्हें पूछा, 'आप हमेशा कहते हैं कि समाज की असली सेवा उस व्यक्ति तक पहुंचने में है, जिसे सबसे अधिक सहायता की जरूरत है। लेकिन क्या हम ऐसे लोगों तक पहुंचने के लिए अपने संसाधनों को सही तरीके से इस्तेमाल कर पा रहे हैं?' दीनदयाल उपाध्याय बोले, 'समाज की सेवा का मतलब सिर्फ भव्य योजनाएं बनाना या बड़े कार्यक्रम आयोजित करना नहीं है। असली सेवा तब होती है जब हम हर उस व्यक्ति की मदद करते हैं, जो खुद अपनी मदद नहीं कर सकता। यह हमारे काम का असली उद्देश्य होना चाहिए- न केवल बड़े उद्देश्यों के पीछे भागना, बल्कि छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना और प्रत्येक व्यक्ति की स्थिति को समझना।' युवा कार्यकर्ता ने पूछा, 'लेकिन हम कैसे जान सकते हैं कि हमें किसे मदद देनी चाहिए?' दीनदयाल उपाध्याय ने उत्तर दिया, 'जब तुम किसी को देखो, तो उसे केवल एक व्यक्ति न समझो। उसे उसकी जरूरतों, उसकी परिस्थितियों और उसकी समस्याओं के साथ देखो। अगर तुम यह समझ पाओ कि वह क्या महसूस करता है, तो सेवा अपने आप सामने आएगी।

सामयिक

यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती।

निरंतर मजबूत हो रही है भारतीय नौसेना

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2024 के नौसेना दिवस का विषय है नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और शक्ति'। नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरूआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रूप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है शं नो वरूण:' अर्थात जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं।

बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

नजरिया

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धार्मिक स्थल सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की ऊंच रोशनी की मीनारें है। कांग्रेस ने इनके दमन का ही सिलसिला जारी रखा। इस तरह इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है, त्रासद है, विडम्बनापूर्ण है। कठोर वास्तविकताएं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भारत का यथार्थ है तो अप्रिय प्रवृत्तियां, विभाजनकारी सोच एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का विध्वंस भी बड़ा यथार्थ है। मुगल शासक हो या अंग्रेजी शासक या आजादी के बाद की सरकारें -राजनीतिक उद्देश्यों एवं वोट की राजनीति के चलते मुस्लिम तुष्टीकरण को अपनाया। यही कारण है कि भारत पर अन्याय-अत्याचार करने एवं आक्रांता बन देश को लुटने वालों को हमने हीरो बनाया और उनके नाम पर प्रमुख मार्गों का नामकरण किया, पाठ्य-पुस्तकों में उनको महिमामंडित किया।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे?

इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेडछाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टरवादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है।

भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खडे होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है। समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी। इस मामले में विपक्षी दल विशेषतः कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी उत्तरप्रदेश सरकार को जबरन घसीट रही है, जबकि सर्वोच्च अदालत शांति बनाये रखने के लिये मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। 24 नवंबर को अदालती निर्देश पर हुए सर्वे के दौरान खूनी हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया, उसका मर्म यह है कि मामले में फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सच है या फिर कौन समुदाय कितना उपद्रव करता है और वह शासन-व्यवस्था के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है। अर्थात चाहे अन्याय' कितना भी बड़ा हो, अदालत न्याय' से अधिक 'शांति-सद्भावना' को वरीयता देगी। देरसबेर न्याय होता हुआ देखा भी गया है, अयोध्या में बना श्रीराम मन्दिर इस का उदाहरण है।

आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धार्मिक स्थल सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की ऊंच रोशनी की मीनारें है। कांग्रेस ने इनके दमन का ही सिलसिला जारी रखा। इस तरह इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है, त्रासद है, विडम्बनापूर्ण है। कठोर वास्तविकताएं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भारत का यथार्थ है तो अप्रिय प्रवृत्तियां, विभाजनकारी सोच एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का विध्वंस भी बड़ा यथार्थ है। मुगल शासक हो या अंग्रेजी शासक या आजादी के बाद की सरकारें -राजनीतिक उद्देश्यों एवं वोट की राजनीति के चलते मुस्लिम तुष्टीकरण को अपनाया। यही कारण है कि भारत पर अन्याय-अत्याचार करने एवं आक्रांता बन देश को लुटने वालों को हमने हीरो बनाया और उनके नाम पर प्रमुख मार्गों का नामकरण किया, पाठ्य-पुस्तकों में उनको महिमामंडित किया। लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है। अब यह चुप्पी टूट रही है तो निश्चित ही दूध का दूध एवं पानी का पानी होकर रहेगा। भारत अपनी समृद्ध विरासत को पुनः नये शिखर पर स्थापित कर पायेगा। मस्जिदें हो या अन्य ऐतिहासिक धरोहर -उनके झूठे इतिहास एवं तथ्यों और उनके तमाम प्रचलित निष्कर्ष निराधार हैं, भ्रामक है, बेबुनियाद है, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्य से प्रचारित किया गया। जबकि सच्ची बातों और कटु स्मृतियों का दमन हुआ। हालांकि ऐसी स्मृतियां मिटती नहीं, वे तो ज्वालामुखी होकर फटती हैं, सच को सामने लाती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

नई दिल्ली में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

भारतीय पर्यटकों के लिए सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने की कोशिश में जुटा दक्षिण अफ्रीका

मुंबई/भाषा। भारतीय पर्यटकों को लुभाने के लिए दक्षिण अफ्रीका सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने के लिए सरकार के साथ तीन विमानन कंपनियों के साथ भी बातचीत कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका की पर्यटन मंत्री पेट्रीसिया डी लिली ने मंगलवार को बातचीत में यह जानकारी दी। लिली ने फोन पर हुई बातचीत में कहा, ''हम दक्षिण अफ्रीका को भारतीय पर्यटकों के लिए एक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने और किसी भी मुद्दे को सुलझाने के लिए तत्पर हैं।''

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच सीधी उड़ानों के मुद्दे पर कहा कि वह तीन भारतीय विमानन कंपनियों-एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट से बात करेंगी और उन्हें दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों के लाभों से अवगत कराएंगी। अभी भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच किसी अन्य गंतव्यों से होते हुए उड़ानों का संचालन एमिरेट्स, केन्या एयरवेज, एयर मॉरीशस, इथियोपियन एयरलाइंस, एतिहाद एयरवेज, एयर सेशेल्स, रवांडाएयर और कतर एयरवेज करती हैं। लिली द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए इस समय नई दिल्ली और मुंबई की यात्रा पर आई हुई हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका इन भारतीय विमानन कंपनियों को न केवल पर्यटकों के दृष्टिकोण से बल्कि इन सीधी उड़ानों से व्यापार तथा व्यवसाय के दृष्टिकोण से भी लाभ पहुंचाएगा।

वीजा के बारे में उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने भारतीय यात्रियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वीजा सुविधा के साथ लंबी प्रक्रिया के मुद्दे को भी हल कर दिया है।

बांग्लादेश में गिरफ्तार हिंदू संत को राहत नहीं, जमानत पर सुनवाई दो जनवरी को होगी

ढाका/भाषा

बांग्लादेश की एक अदालत ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की ओर से किसी वकील के पेश नहीं होने की स्थिति में एक सरकारी अर्जी पर उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई दो जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। चटगांव की एक अदालत ने 26 नवंबर को उन्हें जमानत देने से इनकार करते हुए जेल भेज दिया था जिसके बाद उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया था।

एक सरकारी अभियोजक ने संवाददाताओं से कहा, ''जमानत याचिका पर सुनवाई आज के लिए निर्धारित थी... मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम की अदालत ने तारीख पुनर्निर्धारित कर दी, क्योंकि बचाव पक्ष की ओर से किसी वकील के उपस्थित नहीं होने पर अभियोजन पक्ष ने समय देने के लिए याचिका दायर की।'' दूसरी ओर, सम्मिलित सनातनी जागरण जोत में दास के सहयोगी स्वतंत्र गौरांग दास ने कहा कि ''राजनीति से प्रेरित वकीलों के समूह'' के दबाव और धमकियों के डर से कोई भी वकील हिंदू संत के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ। बराजद्रोह के आरोप में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा में बंदरगाह शहर में एक सरकारी अभियोजक की मौत हो गई थी।

महाकुम्भ में गंगा पंडाल में सुरों का संगम कराएंगे फिल्मी सितारे

प्रयागराज(उप्र)/भाषा। प्रयागराज में संगम की रेती पर बसने जा रही कुम्भ नगरी में श्रद्धालुओं को मेले के दौरान संगम स्नान का पुण्य तो मिलेगी ही, साथ ही वे फिल्मी सितारों के गीत-संगीत का आनंद भी उठा सकेंगे।

मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी के मुताबिक, मेला क्षेत्र में बन रहे गंगा पंडाल में ये सितारे पूरे महाकुम्भ के दौरान प्रस्तुति देंगे।

उनके अनुसार गंगा पंडाल में गायक और संगीतकार शंकर महादेवन, कैलाश खेर, सोनू निगम, विशाल भारश्रे, ऋचा शर्मा, जुबिन नौटियाल और श्रेया घोषाल जैसे सितारे अपनी प्रस्तुतियां देंगे। उन्होंने बताया कि इस पूरे आयोजन को उत्तर प्रदेश का संस्कृति विभाग केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से आयोजित करेगा तथा इन कलाकारों की प्रस्तुतियों के लिए कार्यक्रम का प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है।

अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित योजना के अनुसार गंगा पंडाल में इन सितारों की प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

उनका कहना है कि गंगा पंडाल में 10,000 लोगों के बैठने की क्षमता है और कार्यक्रम के लिए शाम चार बजे से रात आठ बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार 10 जनवरी को प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन अपनी प्रस्तुति देंगे, जबकि 11 जनवरी को प्रदेश की चर्चित लोकगायिका मालिनी अवस्थी अपनी प्रस्तुति से लोगों को मंत्र मुग्ध करेंगी।

अधिकारी के मुताबिक इसी तरह, कैलाश खेर की प्रस्तुति के लिए 18 जनवरी का दिन प्रस्तावित है, जबकि 19 जनवरी की शाम को सोनू निगम का कार्यक्रम है। उनके अनुसार प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर 20 जनवरी और कविता पौडवाल 31 जनवरी को अपनी प्रस्तुति देंगी।

मुंबई में अभिनेत्री आकांक्षा पुरी मंगलवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचीं।

विवेक रंजन अग्निहोत्री ने 'द दिल्ली फाइल्स' से शेयर किए बीटीएस पल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपनी आने वाली फिल्म द दिल्ली फाइल्स से सोशल मीडिया पर बीटीएस पल शेयर किये हैं। विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी अगली फिल्म द दिल्ली फाइल्स के साथ एक और असरदार कहानी लाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म को लेकर बढ़ती उत्सुकता के बीच अग्निहोत्री ने इसकी गहराई और इसमें दिखाए गए दुख से अपने जुड़ाव के बारे में बात की है। सोशल मीडिया पर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने द दिल्ली फाइल्स के सेट से कुछ शानदार बीटीएस (पर्दे के पीछे) के पल शेयर करने के साथ कैप्शन में लिखा है,दर्द एक फिल्ममेकर की सबसे बड़ी प्रेरणा होती है, जो हमें उन गहराइयों में ले जाती है जहां सच्चाई दबी होती है। खासतौर पर हिंदू नरसंहार का दर्द, जो सिर्फ एक याद नहीं है, बल्कि हमारी विरासत है।ददिल्ली फाइल्स के सेट पर हर दिन हम उस सामूहिक दर्द की दुनिया को खोजते हैं, जिसे तथाकथित सेक्युलर समाज ने मिटाने की कोशिश की। यह हमारे पूर्वजों की दुनिया है, जो भुलाए जाने से इनकार करती है। उनके साहस और बलिदान की कहानियां अब भी धार्मिक बर्बरता, हिंसा और नफरत के बोझ तले धीरे-धीरे गूंज रही हैं।

विवेक रंजन अग्निहोत्री ने फिल्म द दिल्लीफाइल्स के लिए गहरी रिसर्च की है। उन्होंने केरल से लेकर कोलकाता और दिल्ली तक यात्रा की और लोगों से मिलकर सारी जानकारी इकट्ठा की। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपनी फिल्म के लिए इतनी मेहनत की है कि उन्होंने 100 से ज्यादा किताबें और 200 से ज्यादा लेख पढ़े, जो उनकी फिल्म की पटकथा को मजबूत बनाने में मदद करेंगे। इसके अलावा, उन्होंने और उनकी टीम ने 20 राज्यों में यात्रा की और 7000 से ज्यादा रिसर्च पेजेज और 1000 से ज्यादा आर्काइव आर्टिकल्स की स्टडी की है, जो उनकी फिल्म को और भी प्रभावी बनाने में मदद करेंगे। यह उनकी मेहनत और समर्पण को दर्शाता है कि वह अपने फिल्म को कितना महत्व देते हैं और कैसे वह अपने दर्शकों के लिए एक सच्ची और प्रभावी कहानी पेश करना चाहते हैं। दिल्ली फ़ाइल: द बंगाल चैप्टर का निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री कर रहे हैं और यह फिल्म पल्लवी जोशी और अभिषेक अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित है । तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत यह फ़िल्म 15 अगस्त, 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ होगी।

भारत में कैंसर के बारे में गलत सूचना का प्रसार ज्यादा : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कैंसर के बारे में ऑनलाइन गलत जानकारी व्यापक रूप से प्रचलित है और इसके लोगों को गुमराह करने और नुकसान पहुंचाने की संभावना है। ऐसे में विज्ञान और चिकित्सा पेशेवरों पर भरोसा करना महत्वपूर्ण है। एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नई दिल्ली में एक होटल में आयोजित भारत स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन के दौरान यह रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट में अक्टूबर 2023 और नवंबर 2024 के बीच पोस्ट की गई स्वास्थ्य संबंधी सोशल मीडिया सामग्री का विश्लेषण किया और गलत सूचना से ग्रस्त चार प्रमुख क्षेत्रों कैंसर, प्रजनन स्वास्थ्य, टीके के अलावा मधुमेह एवं मोटापे सहित जीवन शैली संबंधी बीमारियों को चिह्नित किया गया। 'स्पॉटलाइट' के विशेषज्ञों और 'फर्स्ट चेक' के चिकित्सकों ने यह विश्लेषण किया। इस रिपोर्ट में स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाओं की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला गया है।

अमिताभ बच्चन ने कंप्यूटर के शॉर्टकट सीखे

मुंबई/एजेन्सी

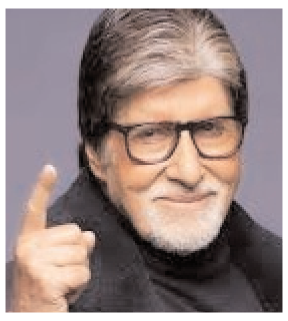

बॉलीवुड के महनायक अमिताभ बच्चन ने कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) 16 में बताया है कि हाल ही में उन्होंने कंप्यूटर के शॉर्टकट सीखे। इस सप्ताह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर, महानायक अमिताभ बच्चन की मेज़बानी वाले कौन बनेगा करोड़पति 16 में, दर्शक बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के अनुराग चौरसिया को हॉटसीट पर देखेंगे। अनुराग सरकारी सेक्टर में काम करते हैं, जहां वह किसानों को मनरेगा योजना के तहत नौकरी के अवसर प्रदान करते हुए, उन्हें आजीविका कमाने में मदद करने में भूमिका निभाते हैं।जब अमिताभ बच्चन ने उनसे तकनीक में हुए हालिया नवाचारों के बारे में पूछा, तो अनुराग ने नए डेवलपमेंट्स पर अपडेट रहने के अपने जुनून को साझा किया। अपनी बातचीत के दौरान, अनुराग ने बताया कि वह अपना अधिकांश समय नवीनतम गैजेट्स, उनकी कीमतों और विवरणों के बारे में जानने में बिताते हैं। उन्होंने कहा, जब भी मेरे सहकर्मी या दोस्त किसी टेक संबंधी चीज में फंस जाते हैं, तो वे मदद के लिए मुझे बुलाते हैं। उनके लिए, मैं किसी टेक्निकल एक्सपर्ट की तरह हूं।

उत्सुकतावश, अनुराग ने अमिताभ बच्चन से पूछा, जब भी आपको कोई गैजेट खरीदना होता है या कहीं फंस जाते हैं, तो क्या आप भी किसी से मदद मांगते हैं? अमिताभ बच्चन ने मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब दिया, सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि कई लोगों से। एक नहीं, 5-6 लोग हैं। विडंबना यह है कि जब मुझे मदद की ज़रूरत होती है, तो मैं तुरंत समाधान चाहता हूं लेकिन समस्याएं हमेशा आधी रात के बाद, 12-1 बजे के आसपास पैदा होती हैं।मैं अब होशियार हो गया हूं और ऐसे लोगों को चुनता हूं जो सुबह 3 बजे से पहले नहीं सोते हैं, उनमें से कुछ मेरे परिवार से ही हैं ।जैसा पोता-पोती है, अभिषेक जी हैं। और मैं हमेशा यह समझना चाहता हूं कि यह कैसे काम करता है। मैं ऐसा क्यों नहीं कर सकता? वे मुझसे कहते हैं, 'आपकी उमर हो गई है, आप घर बैठिए। हम बताएंगे आपको।मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि आपके जाने से पहले मुझे आपका नंबर चाहिए। यदि आपको आधी रात या रात एक बजे के आसपास हिचकी आने लगे, तो जान लें कि मैं आपको याद कर रहा हूं। कौन बनेगा करोड़पति 16 हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होता है।

फिल्म 'जीरो से रीस्टार्ट' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की आने वाली फिल्म जीरो से रीस्टार्ट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 12वीं फेल के प्रीक्वल जीरो से रीस्टार्ट' के ट्रेलर की शुरुआत विधु विनोद चोपड़ा द्वारा '12वीं फेल' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीतने के साथ होती है, जिसे आलिया भट्ट, अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, अल्लू अर्जुन और विजय देवरकोंडा जैसे सितारों से प्रशंसा मिलती है। एक समाचार से पता चलता है कि फिल्म को सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शित किया गया था, जिसके बाद पाठ में कहा गया कि कोई भी इसका निर्देशन नहीं करना चाहता था। विधु विनोद चोपड़ा फिल्म्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर जीरो से रीस्टार्ट का ट्रेलर शेयर कर कैप्शन में लिखा, 'भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक के निर्माण में लगे पागलपन की एक झलक पाने के लिए तैयार हो जाइए! जीरो से रीस्टार्ट का ट्रेलर जारी हो चुका है।फिल्म 13 दिसंबर से सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अच्छी तरह से बनाई फिल्म हमेशा सफल होती है : यामी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम का कहना है कि यदि फिल्म अच्छी तरह से बनाई गई है तो जरूर सफल होती है। वर्ष 2024 यामी गौतम के लिए खास रहा है। अपनी बेहतरीन अदाकारी से उन्होंने सभी का दिल जीत लिया है और अपनी शानदार अभिनय क्षमता को फिर से साबित किया है, जो ये बताता है कि वो इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। आर्टिकल 370 में उनके दमदार परफॉर्मेंस ने उन्हें 'फिल्म ऑफ द ईयर' का खिताब दिलवाया है, और फिल्म भी बड़ी हिट साबित हुई है। यामी गौतम ने कहा, मैंने हमेशा ऐसी फिल्मों को चुना है जो किसी न किसी तरीके से खास होती हैं, और आदित्य ने भी ऐसा ही किया। उन्होंने फिल्म आर्टिकल 370 को लोकेश के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया। यह कोई बहुत पॉपुलर किस्म की फिल्म नहीं थी, और इसके साथ कई सवाल और सलाहें आईं जैसे, 'क्या आपको यकीन है? क्या ये फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी? क्या ये जुड़ पाएगी? इसमें कोई गाने नहीं हैं। यह एक गंभीर फिल्म है और डॉक्यूमेंट्री पर आधारित है।' लेकिन हमें पूरी तरह से यकीन थे कि अगर यह फिल्म अच्छी तरह से बनाई गई है, अच्छी कहानी है, अच्छे परफॉर्मेंस हैं और सही टीम का समर्थन है, तो यह जरूर सफल होगी।हमारी फिल्म की यात्रा से लेकर उसकी सफलता तक, यह दिखाता है कि हमारा दर्शक वर्ग कितना समझदार है। हर तरह की फिल्म के लिए एक दर्शक है, और एक अच्छी कहानी और स्क्रिप्ट कभी असफल नहीं होती।

यामी ने बताया कि वह अपनी व्यक्तिगत और पेशेवर जिंदगी को कैसे बैलेंस करती हैं, और यह कहा कि पिछले कुछ सालों में उनका वर्क लोड बढ़ गया है। यामी ने कहा, असल में, मैं पहले से ज्यादा बिजी हूं, और मैं अपनी व्यक्तिगत और पेशेवर जिंदगी को बैलेंस करने के लिए तैयार हूं। यह एक बड़ा बदलाव है, लेकिन बदलाव एक रात में नहीं आता। इसके लिए बलिदान, लगातार मेहनत और बहुत से लोगों का समर्थन चाहिए। हमें इसका जश्न मनाना चाहिए, और मुझे इस समय सिनेमा का हिस्सा बनकर खुशी है।

पीवी सिंधू 22 को शादी के बंधन बंधेंगी

नयी दिल्ली/भाषा

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू 22 दिसंबर को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगी। रविवार को लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीत के साथ लंबे समय के खिताब के सूखे को खत्म करने वाली पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू हैदराबाद में रहने वाले वेंकट दत्ता साई से शादी करेंगी जो पोसाइडेक्स टेक्नोलॉजीस में कार्यकारी निदेशक हैं। सिंधू के पिता पीवी रमना ने पीटीआई को बताया, ''दोनों परिवार एक-दूसरे को जानते थे लेकिन एक महीने पहले ही सब कुछ तय हुआ। यह एकमात्र संभावित समय था क्योंकि जनवरी से उसका (सिंधू का) कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है।'' उन्होंने कहा, ''यही कारण है कि दोनों परिवारों ने 22 दिसंबर को शादी समारोह आयोजित करने का फैसला किया। रिसेप्शन 24 दिसंबर को हैदराबाद में होगा। वह जल्द ही अपनी ट्रेनिंग शुरू कर देंगी क्योंकि अगला सत्र काफी महत्वपूर्ण होने वाला है।'

' शादी से जुड़े कार्यक्रम 20 दिसंबर से शुरू होंगे। सिंधू को भारत की सबसे दिग्गज खिलाड़ियों में से एक माना जाता है जिन्होंने 2019 में स्वर्ण सहित विश्व चैंपियनशिप में पांच पदक जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने ओलंपिक खेलों में रजत और कांस्य पदक भी जीता है। इस चैंपियन बैडमिंटन खिलाड़ी ने रियो 2016 और तोक्यो 2020 में लगातार ओलंपिक पदक जीते और 2017 में करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर दो हासिल की।

छत्रपति शिवाजी का किरदार निभाएंगे ऋषभ शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी अपनी आने वाली फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। अपनी नई फिल्म द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज की अनाउंसमेंट कर दी है। इस फिल्म में वह छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। ऋषभ शेट्टी ने पोस्ट में लिखा, हमारा सम्मान और विशेषाधिकार, भारत के महानतम योद्धा राजा की महाकाव्य गाथा प्रस्तुत करते हुए द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज। यह सिर्फ एक फ़िल्म नहीं है।यह एक योद्धा के सम्मान में एक युद्धघोष है।

फिल्म 'फतेह' को दिल के करीब मानते हैं सोनु सूद

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद अपनी आने वाली फिल्म फतेह को अपने दिल के करीब मानते हैं। सोनू सूद ने हाल ही में उज्जैन में प्रतिष्ठित महाकालेश्वर मंदिर का दौरा किया। फ़िल्म फतेह के बारे में बात करते हुये सोनू सूद ने कहा,फ़तेह सिर्फ़ एक एक्शन फ़िल्म नहीं है। यह एक ऐसी कहानी है जो साइबर अपराध के तेज़ी से बढ़ते मुद्दे पर प्रकाश डालती है, जिसे एक रोमांचक कथा के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यह मेरे दिल के बहुत करीब की परियोजना है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसके संदेश और ऊर्जा से जुड़ेंगे। एक फ़िल्म निर्माता के रूप में, मेरा उद्देश्य एक ऐसी कहानी पेश करते हुए एक ऐसी फिल्म बनाना है जो आज की दुनिया से मेल खाती हो। ज़ी स्टूडियोज़ और शक्ति सागर प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत फ़िल्म फ़तेह सोनू सूद की बतौर निर्देशक पहली फ़िल्म है। इस फिल्म में जैकलीन फ़र्नांडीज़, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह सहित कई बेहतरीन कलाकार हैं।सोनाली सूद और उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, फ़तेह 10 जनवरी, को रिलीज़ होने वाली है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वीश्री प्रियकल्पनाश्रीजी, प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में दीक्षार्थी द्वय का सम्मान किया गया।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर अंचे कचहरी द्वारा विजयनगर सभागार में संस्था का तीसवां वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर बाल प्रतिभाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत उपस्थित थे। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने अतिथियों का सम्मान किया।

तेयुप विजयनगर ने आयोजित किया आचार्य महाश्रमण गुरु दर्शन यात्रा संघ सम्मान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा गुरुदर्शन संघ यात्रा का कार्यक्रम विजयनगर अर्हम भवन में आयोजित किया गया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी की प्रेरणा से युवक परिषद् ने संघ यात्रा का कार्यक्रम बनाया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने संघ यात्रियों एवं प्रायोजक परिवार का स्वागत करते हुए आगामी संघ यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। संयोजक राकेश पोखरणा ने संघ यात्रा की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए जानकारी दी कि संघ यात्रा 6 दिसंबर को सुबह ट्रेन से रवाना होकर 8 दिसम्बर को वापस आएंगे। इस अवसर पर संघपति मनोहरलाल राकेश मुकेश बाबेल परिवार का सम्मान परिषद् परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, अशोक मारू, पवन बैद, कमलेश दक, अमित नाहटा, पंकज कोचर, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष राकेश दुधोडिया, अशोक कोठारी, दिनेश मरोठी, महावीर टेबा, श्रेयांस गोलछा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री संजय भटेवरा ने किया।

बिहार भवन में राजेन्द्र जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट और सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार शाम को भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद की 140वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। उस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, ट्रस्टी हरीशचन्द्र झा, परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय, मंटू दूबे, प्रवीण उपाध्याय, उदयकुमार, रविकुमार, राहुल झा, प्रभात मिश्रा, आशीष मिश्रा एवं महिला मंडल की ओर से डेजी शर्मा, बिन्दु शर्मा, निधि श्रीवास्तव, अपर्णा शर्मा आदि ने राजेन्द्र बाबू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम के मौके पर डॉ. राजेन्द्र बाबू के व्यक्तित्व, कृतित्व, शिक्षा, दीक्षा, योग्यता और उनके योगदान के संबंध में विचार व्यक्त किए।

जिन्हें भी समाज का संबल मिला, उन्होंने देश-दुनिया को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दिव्यांगजनों की सराहना करते हुए कहा कि जिन्हें भी समाज का प्रोत्साहन-संबल मिला, उन्होंने देश-दुनिया एवं मानवता को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया और यह साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने विश्व दिव्यांग दिवस पर यहां लोकभवन में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने दिव्यांग शब्द और भावनाओं को सम्मान देकर उन्हें गरिमामय तरीके से जीवन एवं हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला तो अपनी प्रतिभा से उन्होंने इस शब्द को साबित किया। योगी ने ऋषि अष्टावक्र, महाकवि सूरदास, भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य समेत अनेक उदाहरण दिए।

मुख्यमंत्री ने महापुरुषों की चर्चा करते हुए कहा,'' जिन्हें भी मंच एवं समाज का प्रोत्साहन-संबल मिला, उन्होंने देश-दुनिया एवं मानवता को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया और यह साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं।'' योगी ने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती (राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस) की भी शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के हर तबके के लिए कार्य करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ बढ़ रही है।

योगी ने कहा कि राज्य के अंदर दो-दो दिव्यांग विश्वविद्यालय (लखनऊ में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय एवं चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय) हैं।

उनका कहना था कि दृष्टिबाधित, मूक बधिर एवं अन्य दिव्यांग बच्चों के लिए कॉलेज हैं, लेकिन इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है तथा उनमें प्रशिक्षित शिक्षक हों, उन्हें अच्छा मानदेय, सुविधाएं, प्रशिक्षण मिले और तकनीक से सक्षम बनाया जाए-इस पर और कार्य करने की आवश्यकता है। योगी ने 2017 में केवल सात-आठ लाख दिव्यांगजनों को पेंशन मिलने और वह भी महज 300-300 रुपए मिलने का दावा करते हुए कहा कि यह राशि छह महीने में आती थी, तो आधा पैसा बाबू खा जाता था, लेकिन उनकी सरकार ने यह राशि 300 रुपए से बढ़ाकर एक हजार रुपए की है एवं उसे सीधे खाते में भेजती है। उन्होंने कहा कि अब 11 लाख दिव्यांगजन 12 हजार रुपए वार्षिक पेंशन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीन हजार रुपए मासिक कुष्ठावस्था पेंशन पीड़ित व्यक्ति के परिवार को उपलब्ध कराते हैं तथा यह भी तय किया गया कि इन परिवारों को पीएम/सीएम आवास भी दिया जाएगा।

योगी ने कहा कि राजकीय सेवाओं में दिव्यांगों के लिए चार फीसदी आरक्षण की भी व्यवस्था है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों की प्रतिभा एवं ऊर्जा का सबसे अच्छा उदाहरण पेरिस पैरालंपिक रहा, जिसमें शानदार प्रदर्शन से मेडल की झड़ी लग गई थी।इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप, समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव गोंड, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव सुभाष चंद शर्मा, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता आंदोलन परिवार ने मठ परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के वार्ड नंबर 44 के स्वच्छता आंदोलन परिवार के सदस्यों ने सोमवार सुबह सिद्धारूढ़ मठ परिसर में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान झील के पास फेंके गए प्लास्टिक बोतलें, गुटखा पैकेट, कागज, नारियल के खोल, बचा हुआ भोजन, तेल के दीपक और अन्य कचरे को इकट्ठा करके बैग में भरकर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया। इस अभियान में विनोदकुमार पटवा, रघुराज इब्राहिमपुर, मेघा चागापुरम सहित अनेक सदस्यों ने झील और उसके आसपास के क्षेत्रों को साफ किया।

कुदरत में शक्ति मिलना दुर्लभ और शक्ति का सदुपयोग करना अति दुर्लभ : आचार्य अरिहंतसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

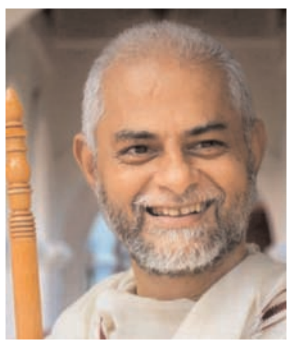

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित सिमंधर शांतिसूरी जैन संघ में दैनिक प्रवचन में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने उपस्थितजनों से कहा कि मिली हुई शक्तियों व सामग्रियों का आत्मकल्याण हेतु उपयोग करने में ही साधक की समझदारी है और शक्तियों का अन्यथा उपयोग अंततः नुकसानदायक ही साबित होता है। शक्ति मिलने का कारण पुण्य है और पुण्य के मार्ग में जो शक्ति का सदुपयोग नहीं करता है उसे अनन्त जन्मों तक वह शक्ति फिर नहीं मिलती। कुदरत में शक्ति मिलना दुर्लभ है और शक्ति का सदुपयोग करना अति दुर्लभ। जो शक्ति का सदुपयोग नहीं करता है उसके पास से कुदरत वह शक्ति छीन लेती है, यह कुदरत का सनातन नियम है। कर्मबंधन के बारे में समझाते हुए उन्होंने कहा कि वह मात्र प्रवृत्ति पर नहीं बल्कि मन के भावों पर भी निर्भर है। जैसे पैसे का विचार करने मात्र से कर्मबंध नहीं होता, परंतु मन में पैसे के प्रति आसक्ति बनी रहने से विचार नहीं करने पर भी कर्मबंध निश्चित रूप से होता है। शुक्रवार 6 दिसंबर को चातुर्मास के बाद आचार्यश्री का प्रथम विहार सिंमधर-शांतिसूरी जैन संघ से संभवनाथ जैन मंदिर वीवी पुरम की ओर होगा। तत्पश्चात विहार संघों से होते हुए 15 दिसंबर से शुरु होने वाले उपधान तप में निश्रा प्रदान करने हेतु 12 दिसंबर को सुबह आचार्यश्री का सुशील धाम परिसर में प्रवेश होगा ।

गार्ड ऑफ ऑनर

मंगलवार को कारवार में नौसेना बेस पर पहुंचने पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत का नौसेना द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर रियर एडमिरल केएम रामकृष्णन, वीएसएम, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग कर्नाटक नौसेना क्षेत्र उपस्थित थे।

बारिश से तमिलनाडु के कई जिले जलमग्न, सड़क संपर्क टूटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में मूसलाधार बारिश से प्रभावित कई जिले बाढ़ की समस्या, बुरी तरह क्षतिग्रस्त सड़कों और आवश्यक वस्तुओं की कमी से जूझ रहे हैं। विल्लुपुरम जिले के अरासुर जैसे कुछ क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की कमी से जूझ रहे लोगों ने आवश्यक सामग्री की मांग को लेकर अचानक आंदोलन शुरू कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से बात कर राज्य के कुछ हिस्सों में बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और उन्हें केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

तमिलनाडु सरकार के अनुमान के अनुसार, 'चक्रवात फेंगल' से 14 जिलों में भीषण तबाही मची है। सड़कों, बिजली की लाइन को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है और चक्रवात के कारण भारी बाढ़ की स्थिति पैदा हुई है।

अचानक आई बाढ़ से न केवल विशाल क्षेत्र जलमग्न हो गए, बल्कि इससे आबादी भी विस्थापित हुई और बुनियादी ढांचे को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा।राज्य सरकार ने कहा कि इस 'विनाशकारी घटना'' के कारण 12 लोगों की जान चली गई, 2,416 झोपड़ियां, 721 मकान नष्ट हो गए तथा 963 मवेशी मारे गए। कृषि और बागवानी फसलों तथा सिंचाई प्रणालियों को भी व्यापक नुकसान पहुंचा है। अरासुर में बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए मंदिर में शरण लिए 18 लोगों को बचाया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) कर्मियों ने कुड्डालोर जिले के एक गांव में फंसे लोगों और पशुओं को सफलतापूर्वक निकाला और सुरक्षित स्थान पहुंचाया।

तिरुवन्नामलाई जिले में एक दुखद घटना में एक दिसंबर को अन्नामलाईयार पहाड़ी की चोटी से एक चट्टान लुढ़ककर आवासीय मकान पर गिर गई जिससे मकान क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें फंसे पांच बच्चों सहित सात लोग बचाव अभियान के दौरान मृत पाए गए। पुलिस ने बताया कि लगभग 24 घंटे के बचाव अभियान के बाद दो दिसंबर की शाम को उनके शव बरामद किए गए।

राज्य के लोक निर्माण एवं राजमार्ग मंत्री ई. वी. वेलु ने तिरुवन्नामलाई जिले में पर्वतीय क्षेत्र के निचले इलाके में स्थित 'वीओसी नगर' में बचाव कार्य का निरीक्षण किया और कहा कि इस क्षेत्र में पहले कभी मिट्टी धंसने की घटना नहीं हुई।

बसवनगुड़ी दादावाड़ी में हुआ मुमुक्षुद्वय का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वीश्री प्रियकल्पनाश्रीजी, प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में दीक्षार्थी द्वय का सम्मान किया गया। दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने मुमुक्षुओं को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवाणी, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, वरिष्ठ सदस्य चुन्नीलाल गुलेच्छा, गौतमचंद चौपड़ा, पवनी बाफना, किरन ललवानी, वन्दना चौपड़ा, रेखा चौपड़ा आदि ने मुमुक्षुओं का सम्मान किया। ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मुमुक्षु अक्षय मालू की दीक्षा 16 फरवरी को बाड़मेर नगर में और मुमुक्षु मुस्कान धारीवाल की दीक्षा 3 मार्च को चौहटन नगरी में खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी की निश्रा और विमलप्रभाश्रीजी(नारंगी म.सा.) की सान्निध्यता में होगी। गुरुदेव मलयप्रभसागरजी ने मुमुक्षु आत्माओं को दीक्षा के पश्चात 22 परिषहों को समभाव से सहन करने के लिए प्रेरित किया। साध्वीश्री प्रियकल्पनाश्रीजी म. सा. ने कहा कि दीक्षा के पश्चात आत्मसाधना से जिनशासन का गौरव बढ़ाना है। दोनों मुमुक्षुओं ने सकल संघ को दीक्षा में आने का निवेदन किया। कार्यक्रम के दौरान खरतरगच्छ संघ के मंत्री राजेन्द्र गुलेच्छा और प्रियंका धारीवाल ने स्वागत गीतिका प्रस्तुत की।

महिला व्यवसाय रेफरल समूह की सदस्याओं ने ली एआई टेक्नोलॉजी की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो जीबीएन-वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह ने सुशीला श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में रिफरल हेड सीमा शाह, रिफरल लीड मीना जैन और रिफरल सेक्रेटरी लीला पितालिया की उपस्थिति में ऑफिस दर्शन किए। जीतो लेडीज विंग नॉर्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने शुभकामनाए दी। कार्यक्रम के दौरान सदस्याओं ने हीली नामक एआई संचालित डिवाइस के बारे में जानकारी प्राप्त की। सुशीला श्रीश्रीमाल ने डिवाइस का परिचय देते हुए इसके उपयोग और शरीर के भीतर आवृत्तियों के प्रभाव को बेहतरीन तरीके से समझाया। इस कार्यक्रम में कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे,जिन्होंने डिवाइस की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस कार्यक्रम में 30 सदस्याओं और अतिथियों ने सक्रिय

मुमुक्षु खुशी सेठिया एवं देशना गोलेच्छा का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के दादावाड़ी कुशल बाग में मुमक्षु ख़ुशी सेठिया एवं देशना गुलेच्छा का दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट महासचिव पुखराज कवाड ने दोनों मुमुक्षुओं का स्वागत किया। सबसे पहले मुमुक्षुओं के माता पिता व भाई का सम्मान किया गया।

खरतरगच्छ महिला परिषद एवं जिनकुशल महिला मंडल की सदस्याओं व अन्य पदाधिकारियों ने मुमक्षु ख़ुशी एवं देशना का सम्मान किया। मुमक्षु ने अपने सम्बोधन मे कहा कि ज़ैसे जब हम रास्ता भटक जाते है तो वापस मुड़ना पडता है, वैसे ही हम संसारिक जीवन पर चलते गलत रास्ता पकड़ लिया था अतः अब भूल महसूस होते ही हम मुड़कर संयम जीवन जैसा सही पथ पकड़ रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहनलाल काँकरिया ने की एवं अशोक छाजेड ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिनकुशल युवा मंच एवं खरतरगच्छ युवा परिषद के सदस्य उपस्थित हुए।

मागड़ी रोड कुमावत समाज की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कुमावत समाज मागड़ी रोड तावरेकेरे की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें जिसमें अध्यक्ष चेनाराम माननीया, उपाध्यक्ष हीरालाल माननीया, सचिव कैलाश मोटावत, सहसचिव चेतन लारना, कोषाध्यक्ष रतनलाल इटाडा, सह कोषाध्यक्ष बुद्धाराम माननिया, प्रचार मंत्री कालूराम माननीया, माधुराम दुबलदीया, मानकचंद माननीया, सलाकार मंत्री सोहनलाल अडानिया, रामनारायण कुद्दाल, धर्माराम गेंदर, मोतीलाल मेरोता, सोहनलाल मावर, व्यवस्थापक मंत्री सुरेश कारवाल, कालूराम धनेरिया एवं गैर मंडली अध्यक्ष पाचाराम आदि को बनाया गया। संतश्री पुखराजजी महाराज के सान्निध्य में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस मौके पर विभिन्न कुमावत समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com